प्रश्न बैंक

सत्र - 2022-23

विषय—संस्कृत

कक्षा — आठवीं

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़

प्रकाशन वर्ष 2022–23

संरक्षक

राजेश सिंह राणा 'IAS'

संचालक, SCERT

मार्गदर्शक

डॉ.योगेश शिवहरे अतिरिक्त संचालक, SCERT,

डॉ.निशी भाम्बरी संयुक्त संचालक, SCERT

संयोजक

श्रीमती दिव्या क्लारेट लकरा, प्राध्यापक

श्रीमती कौशिल्या खुटे, श्रीमती लीना नेमपांडे

विशेष सहयोग

डॉ.विद्यावती चन्द्राकर

विषय विशेषज्ञ

डॉ.विद्यावती चन्द्राकर

लेखन

लुनेश कुमार वर्मा, अंजना साव

टंकण

योगेश निर्मलकर

आवरण

सुधीर कुमार वैष्णव

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़

शंकर नगर, रायपुर

आमुख

वर्तमान में शालाओं में आकलन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली बनाने तथा शिक्षकों और छात्रों में विषयों की समझ को अधिक विकसित करने से लिए अच्छे प्रश्नों का निर्माण होना आवश्यक है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए SCERT द्वारा पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया है। प्रश्न बैंक के माध्यम से शिक्षण अधिगम संबंधी उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है। शिक्षक इसका उपयोग पढ़ाने, परीक्षा लेने तथा छात्र स्वआकलन के लिए कर सकते है।

बच्चों में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम) पूर्ण किया जाना है। इसी आधार पर कक्षा 1 से 8 के लिए कक्षावार विषयवार प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया। निर्मित **’प्रश्न बैंक’** में कक्षा के अधिगम स्तर का ध्यान रखा गया है तथा सम्पूर्ण पाठ से प्रश्न निकाले गए हैं, प्रश्नों को वस्तुनिष्ठ, अतिलघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय क्रम में रखा गया।

सृजित **’प्रश्न बैंक’** में समाहित प्रश्न ज्ञानात्मक, समझ, अनुप्रयोग, विशलेषण आधारित है एवं विद्यार्थियों के स्तरानुरूप हैं। यह **’प्रश्न बैंक’** अध्ययन अध्यापन में अन्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके द्वारा विद्यार्थियों के अपेक्षित कौशलों के विकास को जांचा-परखा जा सकेगा और पाठ्यपुस्तक में वर्णित अवधारणाओं को समझने के सरलता होगी। इन प्रश्नों के माध्यम से बच्चे स्वयं को सक्रिय रख पाएँगे तथा बच्चों में स्वयं करके सीखने, अपने परिवेश को समझने, तर्क करने, चिंतन करने, अपने अनुभवों की अभिव्यक्ति आदि गुणों का विकास हो सकेगा। इस **’प्रश्न बैंक’** के माध्यम से बच्चों में भाषायी कौशलों के विकास के साथ विषय-वस्तु की समझ विकसित होगी। शिक्षकों को यह ’प्रश्न बैंक’ विषयवस्तु को सरल एवं विकसित करने में उनकी मदद करेगा।

यह **’प्रश्न बैंक’** शिक्षकों एवं छात्रों के लिए उपयोगी है शिक्षकों से आग्रह है कि ’प्रश्न बैंक’ का अध्ययन कर इनकी उपयोगिता सुनिश्चित करें।

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर

अनुक्रमणिका

क्रमांक	पाठ		पृष्ठ क्रमांक
1.	मङ्गलकामना	मङ्गलगीतम् पाठः	1-3
2.	छत्तीसगढस्य लोकगीतानि	लोकगीतम् पाठः	4-6
3.	अनुशासनम्	गद्यम् पाठः	7-9
4.	सुभाषितानि	श्लोकः पाठः	10-13
5.	डॉ.सर्वपल्लीराधाकृष्णन्	गद्यम् पाठः	14-16
6.	प्राच्यनगरी सिरपुरम्	गद्यम् पाठः	17-19
7.	गीतागगेदकम्	श्लोकः पाठः	20-22
8.	ग्राम्यजीवनम्	गद्यम् पाठः	23-25
9.	षड्ऋतुवर्णनम्	गद्यम् पाठः	26-28
10.	राष्ट्रियः सञ्चयः	संवादः पाठः	29-31
11.	चतुरः वानरः	गद्यम् पाठः	32-34
12.	महर्षिः दधीचिः	पौराणिककथा पाठः	35-37
13.	रामगिरिः (रामगढम्)	गद्यम् पाठः	38-40
14.	नीतिनवनीतम्	श्लोकः पाठः	41-43
15.	प्रकृतिर्वेदना	गद्यम् पाठः	44-46
16.	मित्रं प्रति पत्रम्	गद्यम् पाठः	47-49
17.	अन्तरिक्षज्ञानम्	गद्यम् पाठः	50-52
18.	महाकविः कालिदासः	गद्यम् पाठः	53-55
19.	सूक्तयः	सूक्तिः पाठः	56-58

प्रथमः पाठः

मङ्गलकामना

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए -

(क) वयं काः भवामः? LS 803

उत्तर - वयं शूरवीराः भवामः।

(ख) कस्याः नाशः भवेत् ? LS 806

उत्तर - घृणायाः नाशः भवेत्।

(ग) भारते कस्य विकासः भवेत् ? LS 809

उत्तर - भारते स्नेहवृत्तेः विकासः भवेत्।

(घ) वयं कञ्चित् किं न पश्यामः ? LS 809

उत्तर - वयं कञ्चित् शिक्षा-विहीनं न पश्यामः। LS 810

(ङ) अस्माकं राज्यं किम् अस्ति ?

उत्तर - अस्माकं राज्यं प्रजातान्त्रिकम् अस्ति।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित सन्धिविच्छेद पदों का सन्धि कर नाम लिखिए -

(क) <u>नमः +ते अस्तु देव +ईश:</u> बुद्धिं च यच्छ। LS 805 , LS 811

(ख) <u>सुताः +ते</u> वयं शूर-वीराः भवाम।

(ग) गुरून् मातरं <u>च +अपि</u> तातं नमाम।

(घ) घृणायास्तु नाशः <u>सदा +एक्यस्य</u> वासः।

(ङ) प्रभो! <u>भारतस्य +उन्नतिः</u> स्यात् कथञ्चित् ।

उत्तर -

सन्धिः विग्रहपद	सन्धिः	नाम
नमः +ते	नमस्ते	विसर्ग सन्धिः
देव +ईश:	देवेश	गुणस्वर सन्धिः
सुताः +ते	सुतास्ते	विसर्ग सन्धिः
च +अपि	चापि	दीर्घ स्वर सन्धिः
सदा +एक्यस्य	सदैक्यस्य	वृद्धि स्वर सन्धिः
भारतस्य +उन्नतिः	भारतस्योन्नतिः	गुण स्वर सन्धिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(क) प्रभो ! देश - रक्षा .... मे प्रयच्छ। (जलं/बलं)

(ख) वयं शूरा-वीराः...........................। (भवामि/भवामः)

(ग) .... तु नाशः सदैक्यस्य वासः। (स्नेहस्य/घृणायाः)

(घ) सदा वर्धतां......................... यत्र तत्र। (मगलं / अमगलं)

(ङ) .... पूर्णमेतद् भवेद् भारतं मे। (सुखैः/जनैः)

उत्तर - (क) बलं, (ख) भवामः, (ग) घृणायाः, (घ) मगलं, (ङ) सुखैः

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का समास विग्रह कर नाम लिखिए -

(क) प्रभो! <u>देश - रक्षा</u> बलं मे प्रयच्छ। LS 805 , LS 811

(ख) सुतास्ते वयं <u>शूर-वीराः</u> भवाम।

(ग) भवेद् भारते <u>स्नेहवृत्ते र्विकासः</u>।

(घ) न कोऽपि <u>क्षुधा-पीडितो</u> मानवः स्यात्।

(ङ) न <u>शिक्षा-विहीनञ्च</u> पश्याम कळिचत्।

उत्तर -	पद	समास विग्रह	नाम
(क)	देश-रक्षा	देशं रक्षा	द्वितीया तत्पुरूष समासः
(ख)	शूर-वीराः	शूराः च वीराः च	द्वन्द्व समासः
(ग)	स्नेहवृत्तेर्विकासः	स्नेहवृत्तेः विकासः	षष्ठी तत्पुरूष समासः
(घ)	क्षुधा-पीडितो	क्षुधया पीडितः	तृतीया तत्पुरूष समासः
(ङ)	शिक्षा-विहीन:	शिक्षया विहीनः	तृतीया तत्पुरूष समासः

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय पदों को छाँटकर लिखिए -

(क) नमस्तेऽस्तु देवेश! बुद्धिं च यच्छ।

(ख) गुरून् मातरं च अपि तातं नमाम।

(ग) प्रजातान्त्रिकं राज्यम् अस्माकम् अत्र।

(घ) सदा वर्धतां बलं यत्र तत्र।

(ङ) न रुग्नो न नग्नो न क्षीणश्च तस्मात्।

उत्तर - (क) च, (ख) च, अपि, (ग) अत्र, (घ) सदा, यत्र, तत्र, (ङ) न

कक्षा - आठवीं

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का विभक्ति वचन लिखिए-

(क) प्रभो ! देश-रक्षा-बलं मे प्रयच्छ। LS 805 , LS 811 , LS 813

(ख) गुरून् मातरं चापि तातं नमाम।

(ग) भवेद् भारते स्नेहवृत्तेर्विकासः।

(घ) प्रजातान्त्रिकं राज्यम् अस्माकं अत्र।

(ङ) प्रभो ! भारतस्य उन्नतिः स्यात् कथञ्चित् ।

उत्तर -

	पद	मूलशब्द	विभक्ति	वचनम्
(क)	प्रभो !	प्रभु	सम्बोधन	एकवचनम्
(ख)	गुरून्	गुरू	द्वितीया	बहुवचनम्
(ग)	भारते	भारत	सप्तमी	एकवचनम्
(घ)	अस्माकं	अस्मद्	षष्ठी	बहुवचनम्
(ङ)	भारतस्य	भारत	षष्ठी	एकवचनम्

स्तर 7 सही जोड़ी बनाइए -

	(अ)	(ब)
(क)	बलं	नाशः
(ख)	वीराः	वर्धताम्
(ग)	घृणायाः	भवाम
(घ)	मगलं	विकासः
(ङ)	स्नेहवृत्तेः	प्रयच्छ

उत्तर -

	(अ)	सही उत्तर
(क)	बलं	प्रयच्छ
(ख)	वीराः	भवाम
(ग)	घृणायाः	नाशः
(घ)	मगलं	वर्धताम्
(ङ)	स्नेहवृत्तेः	विकासः

कक्षा - आठवीं

द्वितीयः पाठः

छत्तीसगढस्य लोकगीतानि

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS 803 , LS 809, LS 810

1. छत्तीसगढराज्ये लोकगीतेषु का अस्ति ?

उत्तर - छत्तीसगढराज्ये लोकगीतेषु विविधताऽस्ति।

2. छत्तीसगढराज्ये लोकगीतानि कस्याम् अवलम्बितानि ?

उत्तर - छत्तीसगढ़राज्ये लोकगीतानि लोकभाषायाम् अवलम्बितानि।

3. विवाहावसरे कानि कानि गीतानि प्रसिद्धानि सन्ति ?

उत्तर - विवाहावसरे चूलमाटी गीतं, द्वारचारगीतं, जेवनारगीतं, भावरगीतं, विदागीतञ्च प्रसिद्धगीतानि सन्ति।

4. श्रावणभाद्रपद मासस्य प्रसिद्धगीतं का अस्ति ?

उत्तर - श्रावणभाद्रपद मासस्य प्रसिद्धगीतं भोजलीगीतं अस्ति।

5. छत्तीसगढराज्ये का लोकक्रीडा प्रसिद्धा ?

उत्तर - छत्तीसगढराज्ये 'फुगडी' लोकक्रीडा प्रसिद्धा।

स्तर 2 रेखांकित पदों का संधिविच्छेद कर नाम लिखिए - LS 805 , LS 811

1. सीमन्तसंस्कारावसरे गेयगीतं 'सधौरीगीतम्' इत्युच्यते।
2. विवाहावसरे लोकाचाराणां परिपालनार्थं गेयगीतानां परम्परा प्रचलति।
3. फाल्गुनमासे च दण्डनृत्यं, फागगीतादीनि च अतीव प्रसिद्धानि।
4. छत्तीसगढस्य लोकगीतेषु धार्मिकोत्सवगीतं प्रचलन्ति।
5. जनाः लोकगीतमाश्रित्य स्वकीयं जीवनं उत्सवमयं सृजन्तीति।

उत्तर -

1.	इति + उच्यते	यण स्वर सन्धिः
2.	विवाह + अवसरे	दीर्घ स्वर सन्धिः
3.	अति + इव	दीर्घ स्वर सन्धिः
4.	धार्मिक + उत्सव	गुण स्वर सन्धिः
5.	सृजन्ति + इति	दीर्घ स्वर सन्धिः

स्तर 3 उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS 809

1. छत्तीसगढराज्ये 'फुगडी' इति .... प्रसिद्धा (लोकगीत/लोकक्रीडा)
2. .... शुकगीतं, गौरागीतादीनि च लोक प्रियाणि। (कार्तिकमासे/श्रावणमासे)
3. सीमन्तसंस्कारावसरे गेयगीतं .... इत्युच्यते। (सधौरीगीतम्/शुकगीतम्)
4. .... जेवनारगीतं प्रसिद्धः अस्ति। (क्रीडावसरे/विवाहावसरे)
5. लोकगीतेषु .... नृत्येन सह गेयपरम्परा विधते (ददरिया/बांस)

उत्तर - 1. लोकक्रीडा

2. कार्तिकमासे
3. सधौरीगीतम्
4. विवाहावसरे
5. बांस

स्तर 4 रेखांकित पदों में विशेषण विशेष्य अलग करके लिखिए - LS 805, LS 811, LS 813

1. छत्तीसगढराज्सयस्य लोकभाषासु गीतानाम् अविरलपरम्परा अस्ति।
2. सीमन्तसंस्कारावसरे गेयगीतं 'सधौरीगीतम्' इत्युच्यते।
3. धार्मिकगीतानां विविधानि रूपाणि सन्ति।
4. फाल्गुनमासे च दण्डनृत्यं, फागगीतादीनि च अतीव प्रसिद्धानि।
5. 'बांस' इति एक अद्भूतं वाद्य यन्त्रम् अस्ति।

उत्तर -

	विशेषण	विशेष्य
1.	अविरल	परम्परा
2.	गेय	गीतं
3.	विविधानि	रूपाणि
4.	अतीव	प्रसिद्धानि
5.	अद्भुतं	वाद्ययन्त्रं

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय ढूंढकर लिखिए - LS 811

1. अत्र लोकगीतेषु विविधताऽस्ति।
2. फाल्गुनमासे फागगीतादीनि अतीव प्रसिद्धानि।
3. यथा शिवरामकृष्णानां विवाहगीतानि लोकप्रियाणि।

कक्षा - आठवीं

4. राज्यस्य प्रसिद्धेषु लोकगीतेषु ददरिया नृत्येन सह गेयपरम्परा विधते।

5. 'बांस' इति एकं अद्भुतं वाद्ययन्त्रमस्ति यत् केवलं छत्तीसगढराज्ये एव प्रचलति।

उत्तर - 1. अत्र, 2. अतीव, 3. यथा, 4. सह, 5. इति, यत्

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के विभक्ति एवं वचन लिखिए - LS 809, LS 811, LS 813

1. छत्तीसगढराज्ये <u>लोकगीतेषु</u> विविधताऽस्ति
2. छत्तीसगढराज्यस्य लोकभाषासु <u>गीतानाम्</u> अविरलपरम्पराऽस्ति।
3. धार्मिकगीतानां विविधानि <u>रूपाणि</u> सन्ति।
4. <u>बालिकाः</u> 'फुगडी' इति गीतं गायन्ति।
5. लोकगीतेषु ददरिया <u>नृत्येन</u> सह गेयपरम्परा विधते।

उत्तर -

शब्दः	विभक्तिः	वचन
लोकगीतेषु	सप्तमी विभक्ति	बहुवचन
गीतानाम्	षष्ठी विभक्ति	बहुवचन
रूपाणि	प्रथमा विभक्ति	बहुवचन
बालिकाः	प्रथमा विभक्ति	बहुवचन
नृत्येन	तृतीया विभक्ति	एकवचन

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद चुनकर लिखिए - LS 811, LS 813

1. छत्तीसगढराज्ये लोकगीतानि लोकभाषायाम् अवलम्बितानि।
2. जनैः विवाहगीतानि छत्तीसगढलोकभाषासु गीयन्ते।
3. बालिकाः 'फुगडी' इति गीतं गायन्ति।
4. 'बांस' इति वाद्ययन्त्रं केवलं छत्तीसगढराज्ये प्रचलति।
5. लोककलाकाराः लोकगीतानां माध्यमेन प्रदेशस्य संस्कृतिं गौरवान्वितं कृतवन्तः।

उत्तर - 1. अवलम्बितानि, 2. गीयन्ते, 3. गायन्ति, 4. प्रचलति, 5. कृतवन्तः।

तृतीयः पाठः

अनुशासनम्

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS 803 , LS 809

1. अनुशासनस्य कौ भेदौ स्तः ?

उत्तर - अनुशासनस्य दौ भेदौ स्तः, आन्तरिकं बाहयं च।

2. अनुशासनस्य विना कस्य उन्नतिः न संभवति ?

उत्तर - अनुशासनस्य विना समाजस्य उन्नतिः न संभवति।

3. विद्यार्थिनः कुत्र-कुत्र अनुशासनं गृहणन्ति ?

उत्तर - विद्यार्थिनः गृहे-विद्यालये-क्रीडाङ्गणे च अनुशासनं गृहणन्ति।

4. अनुशासितछात्राः काः भवन्ति ?

उत्तर - अनुशासितछात्राः विनयशीलाः, धैर्यशीलाः, संयमशीलाश्च भवन्ति।

5. अनुशासनं कस्य सशक्तसाधनमस्ति ?

उत्तर - अनुशासनं व्यक्तित्वविकासस्य सशक्त साधनमस्ति।

स्तर 2 रेखांकित पदों का संधि विच्छेद कर नाम लिखिए - LS 805, LS 811

1. <u>बाहयानुशासनं</u> परिवारेषु विद्यालयेषु च परिलक्ष्यते।
2. <u>अनुशासनेनैव</u> जीवनं सुव्यवस्थितं परिलक्ष्यते।
3. यथा सृष्टेः कार्यम् अनुशासनेनैव सञ्चाल्यते <u>तथैव</u> जनानां जीवनं अनुशासनाद् ऋते कदापि सञ्चालयितुं न शक्यते।
4. अनुशासितछात्राः विनयशीलाः, धैर्यशीलाः, <u>संयमशीलाश्च</u> भवति।
5. आत्मानुशासितमानवः संयमशीलः <u>भवतीति</u>।

उत्तर -

1. बाहय + अनुशासनं = दीर्घ स्वर सन्धिः
2. अनुशासनेन + एव = वृद्धि स्वर सन्धिः
3. तथा + एव = वृद्धी स्वर सन्धिः
4. संयमशीलाः + च = विसर्ग सन्धिः
5. भवति + इति = दीर्घ स्वर सन्धिः

स्तर 3 उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS 809

1. अनुशासनेनैव जीवनं .... परिलक्ष्यते। (सुव्यवस्थितं, अव्यवस्थितं)
2. अनुशासनम् .... द्वारमस्ति। (अवन्नत्याः, उन्नत्याः)
3. 'अनुशासनम्' पदे .... धातोः अस्ति। (अनु, शास्)
4. .... एव अनुशासनम्। (परनियंत्रणम्, आत्मनियंत्रणम्)
5. मनवजीवने अनुशासनं .... अस्ति। (महत्वपूर्णम्, महत्वहीनम्)

उत्तर - 1. सुव्यवस्थितं, 2. उन्नत्याः, 3. शास्, 4. आत्मनियंत्रणम्, 5. महत्वपूर्णम्

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के <u>विशेषण-विशेष्य</u> पृथक कर लिखिए - LS 811

1. गुरूमातृपितृणाम् <u>आदरः कर्तव्यः</u>।
2. <u>अनुशासित छात्रः</u> विनयशीलः भवति।
3. सुव्यवस्थित जीवनमेव <u>विकासस्तम्भः</u> अस्ति।
4. अनुशासनेनैव <u>जीवनं सुव्यवस्थितं</u> परिलक्ष्यते।
5. अनुशासनम् <u>उन्नत्याः द्वारं</u> अस्ति।

उत्तर -

	विशेषण	विशेष्य
1.	आदर	कर्तव्यः
2.	अनुशासित	छात्रः
3.	विकास	स्तम्भः
4.	सुव्यस्थितं	जीवनं
5.	उन्नत्याः	द्वारं

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय ढूंढकर लिखिए - LS 811

1. अनु उपसर्ग पूर्वकं 'शास्' धातोः अनुशासनम् इति शब्दः निर्मितः।
2. अनुशासनं विना समाजस्य राष्ट्रस्य वा उन्नतिः न संभवति।
3. यथा सृष्टेः कार्यम् अनुशासनेनैव सञ्चाल्यते।
4. छात्रजीवने एव भविष्यमवलम्बितमस्ति।
5. विद्यार्थिनः गृहे विद्यालये क्रीडाङ्गणे च अनुशासनं गृह्णन्ति।

उत्तर - 1. अनुइति, 2. वा, 3. यथा, 4. एव, 5. च

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों से कृदन्तपद चुनकर धातुप्रत्यय अलग कीजिए - LS 811

1. अनु उपसर्गपूर्वकं 'शास्' धातोः अनुशासनं शब्दः निर्मितः।
2. जनानां जीवनं अनुशासनाद् ऋते कदापि सञ्चालयितुं न शक्यते।
3. गुरूमातृपितृणाम् आदरः कर्तव्यः।
4. समयानुकूल - पठनं, विद्यालयगमनं, कीडनं गृहकार्यञ्च सम्पादितव्यम्।
5. अनुशासननेनैव जीवनं सुव्यवस्थितं परिलक्ष्यते।

उत्तर -

	कृदन्त पद	धातु + प्रत्यय
1.	निर्मितः	निर् + मा + क्त
2.	सञ्चालयितुम्	सम् + चल् + तुमुन्
3.	कर्तव्यः	कृ + तव्यत्
4.	सम्पादितव्यम्	सम् + पद् + तव्यत्
5.	सुव्यवस्थितम्	सु + वि+ अव् + स्था + क्त

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद चुनकर लिखिए - LS 811, LS 813

1. आत्मानुशासनमेव दृढम् अनुशासनं अधीयते।
2. संयमशीलः शरीरबुद्धि-मनांसि नियन्त्रयति।
3. अनुशासनेनैव जीवनं सुव्यवस्थितं परिलक्ष्यते।
4. अनुशासनेन कर्तव्याधिकारयो: बोधो भवति।
5. अनुशासनस्य वैशिष्ट्यं सर्वे स्वीकुर्वन्ति।

उत्तर -
1. अभिधीयते।
2. नियन्त्रयति।
3. परिलक्ष्यते।
4. भवति।
5. स्वीकुर्वन्ति।

चतुर्थः पाठः

सुभाषितानि

स्तर - 1 अधोलिखित प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत भाषया लिखित - LS 803 , LS 806, LS 809, LS 810

(क) पिता कस्य मूर्तिः?

उत्तर - पिता प्रजापतेः मूर्तिः।

(ख) का न शोभन्ते?

उत्तर - विद्या हीना न शोभन्ते।

(ग) किं वरं नास्ति?

उत्तर - परशासनम् वरं नास्ति।

(घ) सभा केन विभाति?

उत्तर - सभा कविना विभुना च विभाति।

(ङ) कः मुख लेपेन करोति?

उत्तर - मृद मुख लेपेन करोति।

स्तर-2 अधोलिखित वाक्यानां रेखांकित पदानि सन्धि विच्छेदं कृत्वा नाम लिखित - LS 805,

निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का सन्धि विच्छेद कर नाम लिखो - LS 811

(क) को नायाति वशं लोके मुखे पिण्डेन पूरितः।

(ख) माता पृथिव्याः मूर्तिस्तु भ्राता स्वोमूर्तिरात्मनः।

(ग) जनिता चोपनेता च पितरः स्मृता।

(घ) अन्नदाता भयत्राता विद्यादाता तथैव च।

(ङ) सप्तैता मातरः स्मृता।

उत्तर -	पद	सन्धि विग्रह	सन्धिः
(क)	नायाति	न + आयाति	दीर्घ स्वर सन्धि
(ख)	मूर्तिस्तु	मुर्तिः + तु	विसर्ग स्वर सन्धि
(ग)	चोपनेता	च + उपनेता	गुण स्वर सन्धि
(घ)	तथैव	तथा + एव	वृद्धी स्वर सन्धि
(ङ)	सप्तैता	सप्त + एता	वृद्धी स्वर सन्धि

स्तर-3 उचित विकल्पं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत- LS 809, LS 810, LS 811, LS 813

सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) खनन् .... नरोवार्यधिगच्छति।

(खड्गेन/खनित्रेण)

(ख) पृथ्वी .... मातरः स्मृताः।

(पञ्च/सप्त)

(ग) शुष्क वृक्षश्च मूर्खाश्च न .... कदाचन्।

(नमन्ति/गर्जन्ति)

(घ) .... पृथिव्याः मूर्तिः भवति।

(भ्राता/माता)

(ङ) .... वरं नास्ति।

(अनुशासनं/परशासनं)

उत्तर - (क) खनित्रेण (ख) सप्त (ग) नमन्ति (घ) माता (ङ) परशासनं

स्तर - 4 अधोलिखित वाक्यानाम् रेखांकित पदेन विशेषण विशेष्य पृथक कुरूत- LS 811

(निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों से विशेष्य पृथक कर लिखिए)-

(क) आदौ माता, गुरोः पत्नी राजपत्निका।

(ख) रूपयौवन सम्पन्न विशालकुल सम्भवा।

(ग) विद्याहीना न शाभन्ते निर्गन्धाइव किंशुकाः।

(घ) नमन्ति फलिनो वृक्षाः नमन्ति गुणिनो जनाः।

(ङ) मृदङ्गेऽपि मुख लेपेन करोति मधुरध्वनिः।

उत्तर -	पद	विशेषण	विशेष्य
(क)	आदौमाता	आदौ	माता
(ख)	विशालकुल	विशाल	कुल
(ग)	निर्गन्धा किंशुकाः	निर्गन्धा	किंशुका
(घ)	गुणिनो जनाः	गुणिनो	जनाः
(ङ)	मधुर ध्वनिः	मधुर	ध्वनिः

कक्षा - आठवीं

स्तर - 5 निम्न लिखित वाक्यों में प्रयुक्त पदों को चुनकर लिखिए - LS 811

(अधोलिखित वाक्यानाम् प्रयुक्त अव्ययः पदाति चित्वा लिखित)

(क) यथा खनन् खनित्रेण नरोवार्यधिगच्छति।

(ख) तथा गुरूगतां विद्यां शुश्रूषुरधिगच्छत।

(ग) अन्नदाता भयत्राता विधादाता तथा एव च।

(घ) विद्याहीना न शाभन्ते।

(ङ) मृदङ्गेऽपि मुख लेपेन करोति मधुरध्वनिः।

उत्तर - (क) यथा (ख) तथा (ग) तथा, एव, च (घ) न (ङ) अपि

स्तर - 6 अधोलिखित वाक्यानां रेखांकित पदानि मूलशब्दं, विभक्तिः वचन च लिखित- LS 805, LS 811, LS 813

(निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के मूलशब्द, विभक्ति और वचन लिखिए) -

(क) खनन् <u>खनित्रेण</u> नरोवार्यधिगच्छति।

(ख) माता <u>पृथिव्याः</u> मूर्तिः अस्ति।

(ग) षडेते <u>मम</u> बान्धवाः सन्ति।

(घ) <u>मणिना</u> वलयं वलयेन विभाति।

(ङ) <u>नरके</u> गमनं श्रेष्ठं अस्ति।

उत्तर -

	पद	मूलशब्द	विभक्ति	वचनम्
(क)	खनित्रेण	खनित्र	तृतीया	एकवचनम्
(ख)	पृथिव्याः	पृथिवी	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	मम	अस्मद्	षष्ठी	एकवचनम्
(घ)	मणिना	मणि	तृतीया	एकवचनम्
(ङ)	नरके	नरक	सप्तमी	एकवचनम्

स्तर - 7 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के लकार, पुरूष वचन लिखिए - LS 811, LS 813

(अधोलिखित वाक्यानाम् रेखांकित पदानिः धातुः, लकारः, पुरूषः, वचनं लिखत-)

(क) मृदब मुखलेपेनं <u>करोति</u>।

(ख) <u>नमन्ति</u> गुणिनो जनाः।

कक्षा - आठवीं

(ग) विद्याहीना न <u>शोभन्ते</u>।

(घ) गुरू गतां विद्यां शुश्रूषः <u>अधिगच्छति</u>।

उत्तर -	पद	धातुः	लकारः	पुरूषः	वचनम्
(क)	करोति	कृ	लट्लकार	प्रथम पुरूषः	एकवचनम्
(ख)	नमन्ति	नम्	लट्लकार	प्रथम पुरूषः	एकवचनम्
(ग)	शोभन्ते	शुभ्	लट्लकार	प्रथम पुरूषः	एकवचनम्
(घ)	अधिगच्छति	गच्छ्	लट्लकार	प्रथम पुरूषः	एकवचनम्

पचमः पाठः

डॉ. सर्वपल्लीराधाकृष्णन्

स्तर 1 निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए – LS 803, **-** LS 809, LS 810

(क) डॉ. राधाकृष्णन् महाभागस्य जन्म कदा अभवत् ?

उत्तर - डॉ. राधाकृष्णन् महाभागस्य जन्म 1888 ख्रीस्ताब्देः सितम्बरमासस्य पञ्चमदिनांके अभवत्।

(ख) कस्मिन् देशे राजदूतस्य पदे डॉ. राधाकृष्णन् महोदयस्य नियुक्तिः जातः ?

उत्तर - रूसदेशे राजदूतस्य पदे डॉ. राधाकृष्णन् महोदयस्य नियुक्तिः जातः।

(ग) डॉ. राधाकृष्णन् महाभागः कस्य उपराष्ट्रपतिः जातः ?

उत्तर - डॉ. राधाकृष्णन् महाभागः भारतस्य उपराष्ट्रपतिः जातः।

(घ) डॉ. राधाकृष्णन् महाभागः कस्य पुस्तकानि अरचयत् ?

उत्तर - डॉ. राधाकृष्णन् महाभागः दर्शनविषयस्य अनेकानि पुस्तकानि अरचयत्।

स्तर 2 रेखांकित पदों का सामासिक पद लिखकर नाम लिखिए - LS 805 , LS 811, LS 813

(क) डॉ राधाकृष्णन् महाभागस्य माता अत्यन्तं धर्मे परायणा अस्ति।

(ख) महोदयस्य प्रारम्भिकी शिक्षा स्वस्य ग्रामे एव अभवत्।

(ग) डॉ राधाकृष्णन् महोदयः भारतस्य रत्नम् इति सर्वोच्चालङ्करेण सम्मानितः।

(घ) डॉ राधाकृष्णन् सर्वकारेण उच्च शिक्षायोगस्य अध्यक्षस्य पदे अपि नियुक्तः।

(ङ) डॉ राधाकृष्णन् महोदयः कोलकाताविश्वविद्यालये दर्शन विषयस्य प्रगतः अध्यापकः आसीत्।

उत्तर -

समास विग्रह	सामासिक पद	समास
(क) धर्मे परायणा	धर्मपरायणा	सप्तमी तत्पुरूष
(ख) स्वस्य ग्रामे	स्वग्रामे	षष्ठी तत्पुरूष
(ग) भारतस्य रत्नम	भारत रत्नम्	षष्ठी तत्पुरूष
(घ) अध्यक्षस्य पदे	अध्यक्षपदे	षष्ठी तत्पुरूष
(ङ) प्रगतः अध्यापकः	प्राध्यापकः	प्रादि तत्पुरूष

स्तर 3 उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS 803

(क) डॉ राधाकृष्णन् महाभागः अस्माकं देशस्य.................... राष्ट्रपतिः आसीत् | (प्रथम:, द्वितीय:)

(ख) डॉ राधाकृष्णन् महाभागस्य पिता एकः.................. आसीत्| (चिकित्सकः, शिक्षकः)

(ग)डॉ राधाकृष्णन् महाभागेन .... कुलपतिपदं सुशोभितम्।

(आन्ध्रविश्वविद्यालस्य, काशीहिन्दूविश्व विद्यालस्य)

(घ) डॉ राधाकृष्णन् महाभागस्य जन्मदिवसम् .... आयोजयति।

(शिक्षकदिवसरूपेण, बालदिवसरूपेण)

(ङ) डॉ राधाकृष्णनस्य मुख्य विषयः .... आसीत्।

(वनस्पति शास्त्रम्, दर्शनशास्त्रम्)

उत्तर - (क) द्वितीयः, (ख) शिक्षकः, (ग) काशीहिन्दूविश्व विद्यालस्य, (घ) शिक्षक दिवस रूपेण, (ङ) दर्शनशास्त्रम्

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदो के विशेषण विशेष्य पृथक कीजिए - LS 811

(क) डॉ राधाकृष्णन् महाभागस्य माता <u>अत्यन्तं धर्मपरायणा</u> आसीत्।

(ख) राधाकृष्णन् महाभागः भारतीय दर्शनस्य <u>महान् पण्डितः</u> आसीत्।

(ग) महोदयस्य अखिलं जीवनम् एका <u>विशाला कर्मभूमिः</u>।

(घ) राधाकृष्णन् महाभागः मद्रासस्य क्रिश्चियन कालेजनामकमहाविद्यालये <u>उच्चशिक्षां</u> गृहीतवान्।

(ङ) <u>विशिष्टं व्यक्तित्वम्</u> उपलक्ष्य भारत राष्ट्रेण महाभागः भारतरत्नम् इति सर्वोच्चालङ्करेण सम्मानितः।

उत्तर -

	विशेषण	विशेष्य
(क)	अत्यन्तं	धर्मपरायणा
(ख)	महान्	पण्डितः
(ग)	विशाला	कर्मभूमिः
(घ)	उच्च	शिक्षां
(ङ)	विशिष्टं	व्यक्तित्वम्

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय ढूंढकर लिखिए - LS 811

(क) राधाकृष्णन् महोदयस्य प्रारम्भिकी शिक्षा स्वग्रामे एव अभवत्।

(ख) आरम्भे महोदयः पितुः संरक्षणे निर्देशने च विद्याभ्यासम् अकरोत्।

(ग) ततः नववर्षाणि यावत् महाभागेन काशीहिन्दू विश्वविद्यालस्य कुलपतिपदं सुशोभितम्।

(घ) डॉ राधाकृष्णन् सर्वकारेण उच्चशिक्षायोगस्य अध्यक्षपदे अपि नियुक्तः।

(ङ) डॉ राधाकृष्णन् तत्र एव 1911 ईसवीये स्नातकोत्तर परीक्षाम् उत्तीर्णवान्।

उत्तर - (क) एवं (ख) च (ग) यावत् (घ) अपि (ङ) तत्र।

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्य के कृदन्त पद चुनकर धातु प्रत्यय अलग कीजिए - LS 811

(क) डॉ राधाकृष्णन् महाभागः क्रिश्चियन कालेज नामकमहाविद्यालये उच्चशिक्षां गृहीतवान्।

(ख) डॉ राधाकृष्णन् महाभागः शिक्षायाः उच्चपदानि अलङ्कृतवान्

(ग) डॉ राधाकृष्णन् सर्वकारेण उच्चशिक्षायोगस्य अध्यक्षपदे अपि नियुक्तः।

(घ) असाधारणसेवां विशिष्टं व्यक्तित्वं च उपलक्ष्य भारत राष्ट्रेण सः भारतरत्नम् इति सर्वोच्चालङकरेण सम्मानितः।

(ङ) 1911 ईसवीये स्नातकोत्तर परीक्षाम् डॉ राधाकृष्णन् उत्तीर्णवान्

उत्तर -	गृहीतवान्	-	ग्रह् + क्तवतु
	अवङ्कृतवान्	-	अलम् + कृ + क्तवतु
	नियुक्तः	-	नि + युज् + क्त
	व्यक्तित्वं	-	व्यक्ति + त्व
	उत्तीर्णवान्	-	उत्तीर्ण + क्तवतु

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापदों को छाँटकर लिखिए -, LS 811, LS 813

(क) डॉ राधाकृष्णन् महाभागः अस्माकं देशस्य द्वितीयो राष्ट्रपतिः आसीत्।

(ख) डॉ राधाकृष्णन् महोदयस्य प्रारम्भिकी शिक्षा स्वग्रामे एव अभवत्।

(ग) डॉ राधाकृष्णन् महोदयः सुदीर्घकालं शिक्षणकार्यम् अकरोत्

(घ) महोदयः दर्शनविषयस्य अनेकानि पुस्कानि अरचयत्।

(ङ) डॉ राधाकृष्णन् महोदयस्य सेवां न हि कोऽपि कदापि विस्मरिष्यति।

उत्तर - क्रियापद -

(क) आसीत्

(ख) अभवत्

(ग) अकरोत्

(ख) अरचयत्

(ङ) विस्मरिष्यति ।

कक्षा - आठवीं

षष्ठः पाठः

प्राच्यनगरी सिरपुरम्

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर लिखिए- LS 803 , LS 809 , LS 810

प्रश्न 1. दक्षिणकौशलस्य राजधानी किम् आसीत्?

उत्तर - दक्षिणकौशलस्य राजधानी सिरपुरम् आसीत्।

प्रश्न 2. सिरपुरं रायपुरात् कति दूरे विद्यते?

उत्तर - सिरपुरं रायपुरात् पञ्चाशीतिः (85) किलोमीटर दूरे विद्यते।

प्रश्न 3. कस्मिन् मासे तीर्थयात्रिणः वहनिकायां जलं आनयन्ति?

उत्तर - श्रावणमासे तीर्थयात्रिणः वहनिकायां जलं आनयन्ति।

प्रश्न 4. प्रतिवर्षे सिरपुरे कस्मिन् अवसरे सिरपुरमहोत्सवः समायोज्यते?

उत्तर - प्रतिवर्षे सिरपुरे बुद्धपूर्णिमावसरे सिरपुरमहोत्सवः समायोज्यते।

प्रश्न 5. बौद्धविहारे कस्य विशाल प्रतिमा प्रतिष्ठिता ?

उत्तर - बौद्धविहारे बुद्धस्य विशाल प्रतिमा प्रतिष्ठिता ।

स्तर 2 रेखांकित पदों का संधिविच्छेद कर नाम लिखिए- LS 805 , LS 811

1. तज्जलं शिवं प्रति अर्पयन्ति पूजयन्ति च।
2. सप्तम्यां शाताब्धां निर्मितं लक्ष्मणमन्दिरं रक्तेष्टिकायां शोभते।
3. कालान्तरे तन्मन्दिरं लक्ष्मणमन्दिरस्य नाम्ना विख्यातम्।
4. मन्दिरस्य स्वभव्यता अद्वितीयास्ति।
5. सिरपुरं महानद्यास्तीरे विद्यते।

उत्तर - 1. तत् + जलं = तज्जलं व्यंजन संधि।

2. रक्त इष्टिकायां = रक्तेष्टिकायां गुणस्वर संधिः

3. काल + अन्तरे = कालान्तरे दीर्घस्वर संधिः

4. अद्वितीय + अस्ति = अद्वितीयास्ति दीर्घस्वर संधिः

5. महानद्याः + तीरे = महानद्यास्तीरे विसर्ग संधिः

स्तर 3. उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए- LS 803 , LS 809

1. सिरपुरं नगरी .... राज्ञां राजधानी आसीत्।
2. सिरपुरं .... तीरे विद्यते।

3. महानद्याः तटे .... महादेवमंदिरम् अतिरमणीयमस्ति।

4. .... रक्तेष्टिकायां शोभते।

5. सिरपुरे .... अवसरे सिरपुर महोत्सवः समायोज्यते।

उत्तर - 1. पाण्डुवंशीयानां, 2. महानदी, 3. गन्धेश्वर, 4. लक्ष्मणमन्दिरस्य, 5. बुद्धपूर्णिमावसरे

स्तर 4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के विभक्ति व वचन लिखिए- LS 805, LS 811, LS 813

1. सिरपुरं नगरी पाणुवंशीयानां राज्ञां राजधानी आसीत्।
2. तस्याः नाम महाराज्ञी वासटा आसीत्।
3. मन्दिरस्य स्वभव्यता अद्वितीयास्ति।
4. सिरपुरे दृष्टिकायां अपि मूर्तयः उत्कीर्णाः सन्ति।
5. अस्मिन् अवसरे देशविदेशानां अनेके कलानुरागिणः आयान्ति।

उत्तर -

1. राजन् शब्दः	षष्ठी विभक्तिः	बहुवचनः
2. तद् शब्दः	षष्ठी विभक्तिः	एकवचन
3. मन्दिर शब्दः	षष्ठी विभक्तिः	एकवचनः
4. मूर्ति शब्दः	प्रथमा विभक्तिः	बहुवचनः
5. अवसर शब्दः	सप्तमी विभक्ति	एकवचन

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय ढूंढकर लिखिए - LS 811

1. तज्जलं शिवं प्रति अर्पयन्ति पूजयन्ति च।
2. प्रतिवर्षे अत्र बुद्धपूर्णिमावसरे सिरपुरमहोत्सवः समायोज्यते।
3. सिरपुरे इष्टिकायां अपि मूर्तयः उत्कीर्णाः सन्ति।
4. लक्ष्मण मन्दिरं निकषा राममन्दिरमस्ति।
5. प्रतिवर्षे अत्र बुद्धपूर्णिमावसरे सिरपुरमहोत्सवः समायोज्यते।

उत्तर - (1) प्रति च, (2) अत्र, (3) अपि, (4) निकषा, (5) अत्र।

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्य से कृदन्त पद चुनकर धातु प्रत्यय अलग कीजिए - LS 811

1. पुरा सिरपुरस्य नाम श्रीपुरम् इति ख्यातम्।
2. लक्ष्मणमन्दिरं श्रीपुरनरेशस्य शिवगुप्तस्य मात्रा निर्मितम्।
3. सिरपुर स्थित्वा पाण्डुवंशीयनृपाः दक्षिणकौशलराज्यान्तर्गते शासति स्म।
4. ह्वेनसाङ्गेन श्रीपुरस्य श्री समृद्धयोः वर्णनं कृतम्।
5. हर्षवर्द्धनस्य काले चीनीयात्री ह्वेनसाङ्गः भारतं समायातः।

उत्तर - (1) ख्यातम् — ख्या + क्त
(2) निर्मितम् — निर् + मा + क्त
(3) स्थित्वा — स्था + क्त्वा
(4) कृतम् — कृ + क्त
(5) समायातः — सम् + आ + या + क्त

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद चुनकर लिखिए - LS 811, LS 813

1. श्रावणमासे तीर्थयात्रिणः वहनिकायां जलं आनयन्ति।
2. तज्जलं शिवं प्रति अर्पयन्ति पूजयन्ति च ।
3. हर्षवर्द्धनस्य काले चीनीयात्री ह्वेनसाङ्गः भारतं समायातः।
4. प्रतिवर्षे अत्र बुद्धपूर्णिमावसरे सिरपुरमहोत्सवः समायोज्यते।
5. सिरपुरे विविधाः प्रतिमाः विधन्ते |

उत्तर - आनयन्ति, अर्पयन्ति,पूजयन्ति, समायातः, समायोज्यते, विधन्ते ।

सप्तमः पाठः

गीतागङ गोदकम्

स्तर - 1 अधोलिखित प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां लिखित - LS 802 , LS 803, LS 806, LS 809, LS 810, LS 812

(निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए)-

(क) काः सुख दुःखे समं मन्यते?

उत्तर - सप्तपुरूषाः सुखदुःखे समं मन्यते।

(ख) कुलक्षये काः प्रणश्यन्ति?

उत्तर - कुलक्षये कुलधर्माः समानताः प्रणश्यन्ति।

(ग) कः पुरूषः शन्तिमाधिगच्छति।

उत्तर - विहाय कामान्यः, निःस्पृहः, निर्ममो निरहंकारः पुरूषः शन्तिमाधिगच्छति।

(घ) ईश्वरः कुत्र तिष्ठति?

उत्तर - ईश्वर हृद्देशे तिष्ठति।

(ङ) केन सदृशं पवित्रमिह न विद्यते?

उत्तर - ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह न विद्यते।

स्तर - 2 अधोलिखित वाक्येषु रेखांकित पदानि सन्धिविग्रहं कृत्वा नामानि लिखत- LS 805 , LS 811

(निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का सन्धि विग्रह कर नाम लिखिए)-

(क) परमं पुरूषं दिव्यं याति पार्थानुचिन्तयन् ।

(ख) प्राणापान समायुक्तः पचाम्यन्नं चतुर्विधम्।

(ग) सुख दुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ।

उत्तर -

	पद	सन्धि विग्रह	नाम
(क)	पार्थानुचिन्तयन्	पार्थ + अनुचिन्तयन्	दीर्घस्वर सन्धिः
(ख)	प्राणापान	प्राण + आपान	दीर्घस्वर सन्धिः
(ग)	लाभालाभौ	लाभ + अलाभौ	दीर्घस्वर सन्धिः

प्रश्न 3. निम्न वाक्य में से अव्यय पदों को चुनकर लिखिए - LS 811

(क) न हि ज्ञानेन सद्वशं पवित्रमिह विद्यते।

(ख) अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यानि मा शुचः।

(ग) सुख दुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ।

(घ) अभ्यासयोगयुक्तेन चेतसा नान्यगामिना।

(ङ) ततो शुद्धाय शुज्यस्व वैवं पापमवाप्स्यसि।

उत्तर - (क) न (ख) मा (ग) समे (घ) च (ङ) न, एवं

स्तर - 4 अधोलिखित वाक्ये पदस्य धातुः, प्रत्यय कृदन्तपदं लिखत - LS 811, LS 813

(निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पृथक धातु प्रत्यय का कृदन्त पद लिखिए) -

(क) अहं वैश्वानरो भू + क्त्वा प्राणिनां देह भाश्रितः।

(ख) सुख दुःखे समे कृ + क्त्वा लाभालाभौ जयाजयौ।

(ग) अहं त्वा सर्व पापेभ्यो मोक्षयिष्यानि मा शुच् + अच्।

उत्तर -

(क) भू + क्त्वा   भूत्वा

(ख) कृ + क्त्वा   कृत्वा

(ग) शुच् + अच्   शुचः

प्रश्न 5. (सुमेलनं कुकत) -

सही जोड़ी बनाइए -

(क) परमं - (1) हृद्देशे

(ख) कुल - (2) आश्रित

(ग) निर् - (3) पुरूषम्

(घ) ईश्वर - (4) अहंकारः

(ङ) देहम् - (5) धर्माः

उत्तर -

(क) परमं - (3) पुरूषम्

(ख) कुल - (5) धर्माः

(ग) निर् - (4) अहंकारः

(घ) ईश्वर - (1) हृद्देशे

(ङ) देहम् - (2) आश्रित

कक्षा - आठवीं

प्रश्न 6. निम्न वाक्यों से क्रियापदों को छाँटकर लिखिए - LS 813

(अधोलिखितवाक्यात् क्रियापदं चित्वा लिखत)

(क) ईश्वरः सर्वभूतानां हृददेशेऽर्जुन तिष्ठति।

(ख) तत्स्वयं योगसंसिद्ध कालेनात्यानि विन्दति।

(ग) अहं त्वा सर्व पापेभ्यो मोक्षयिष्यामि।

(घ) पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति।

(ङ) सः विहाय निरहंकारः शानितम् गच्छति।

उत्तर - (क) तिष्ठति (ख) विन्दति (ग) मोक्षयिष्यानि (घ) प्रयच्छति (ङ) अधिगच्छति

कक्षा - आठवीं

अष्टमः पाठः

ग्राम्यजीवनम्

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए -LS 801 , LS 802, LS 803, LS 804 , LS 805, LS 809 LS 805, LS 812

(क) ग्रामीणाः प्रायेण काः भवन्ति ?

उत्तर - ग्रामीणाः प्रायेण कृषीवलाः भवन्ति।

(ख) ग्राम्यजीवनं किं भवति ?

उत्तर - ग्राम्यजीवनं सुव्यवस्थितं भवति।

(ग) कृषकाः क्षेत्राणि केन कर्षति ?

उत्तर - कृषकाः क्षेत्राणि हलेन कर्षति।

(घ) काः क्रीडां कुर्वन्ति ?

उत्तर - धूलिधूसरिताः क्रीडां कुर्वन्ति।

(ङ) ग्रामवासिनां मनांसि कानि भवन्ति ?

उत्तर - ग्रामवासिनां मनांसि निर्मलानि भवन्ति।

स्तर 2 निम्न वाक्यों में रेखांकित पदों का समास विग्रह कर नाम लिखिए - LS 805 , LS 811,

(क) ग्राम्यजीवनं सुव्यवस्थितं भवति।

(ख) क्षेत्राणि परितः वारिपूर्णाः कुल्याः भवन्ति।

(ग) ग्रामस्य वातावरणं स्वच्छं भवति।

(घ) ग्रामान् परितः शस्यश्यामला धरित्री राजते।

(ङ) कुल्याजलेन क्षेत्राणि सिचन्ति।

उत्तर - (क) ग्राम्यजीवनं = ग्राम्यं जीवनम् (द्वितीया तत्पुरूष)

(ख) वारिपूर्णाः = वारिणा पूर्णा (तृतीया तत्पुरूष)

(ग) वातावरणं = वातानाम् आवरणम् (षष्ठी तत्पुरूष)

(घ) शस्यश्यामला = शस्यैः श्यामला (तृतीय तत्पुरूष)

(ङ) कुल्याजलेन = कुल्या: जलेन (षष्ठी तत्पुरूष)

स्तर 3 उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए- LS 811, LS 813

(क) ग्रामे प्रायेण सर्वे ....भवन्ति। (स्वस्थाः, रोगाः)

(ख) कृषीवलाः प्रातः कालात् सायं यावत् ....कर्मकुर्वन्ति। (आपणेषु, क्षेत्रेषु)

(ग) कृषकाः क्षेत्राणि ....कर्षन्ति। (हलेन, शकटेन)

(घ) ग्रामस्य वातावरणं .... भवति (अस्वच्छं, स्वच्छं)

(ङ) ग्रामेषु मनोरजनम् .... साध्यं भवति। (बहुव्यय, अल्पव्यय)

उत्तर - (क) स्वस्थाः

(ख) क्षेत्रेषु

(ग) हलेन

(घ) स्वच्छं

(ङ) अल्पव्यय

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के विशेषण-विशेष्य पृथक कीजिए - LS 811

(क) ग्राम्य जीवनंसुव्यवस्थितं भवति।

(ख) क्षेत्राणि परितः वारिणा पूर्णाः कुल्याः भवति।

(ग) परिश्रमशीलाः ग्रामीणाः धान्यादिकम् उत्पादयन्ति।

(घ) ग्रामपथिकानां गोपालानां च सडीतेन हृदयः प्रसन्न भवति।

(ङ) ग्रामस्य वातावरणं स्वच्छं भवति।

उत्तर -

	शब्द	विशेषण	विशेष्य
(क)	जीवनं सुव्यवस्थितं	सुव्यवस्थितं	जीवनं
(ख)	पूर्णाः कुल्याः	पूर्णाः	कुल्याः
(ग)	परिश्रमशीलाः ग्रामीणाः	परिश्रमशीलाः	ग्रामीणाः
(घ)	हृदयः प्रसन्नः	प्रसन्नः	हृदयः
(ङ)	वातावरणं स्वच्छं	स्वच्छं	वातावरणं

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों से अव्यय पदों को चुनकर लिखिए - LS 811

(क) कृषीवली: प्रातः कालात् सायं यावत् क्षेत्रेषु कर्म कुर्वन्ति।

(ख) कुल्याजलेन क्षेत्राणि सिचन्ति तत्र बीजानि वपन्ति च ।

(ग) प्राचीनकाले ग्रामेषु तथाविधशिक्षालयचिकित्सालयादीनां सौविध्यं नासीत् यथा अद्यास्ति।

(घ) वायुजलादीनि ग्रामेषु प्रचुराणि यथा लभ्यन्ते तथा न नगरेषु।

(ङ) अधुना ग्रामेषु सफलानि साधनानि यदि उपलब्धानि भवेयुः।

उत्तर - (क) यावत् प्रातः, (ख) सायं तत्र च, (ग) यथा अद्य, (घ) यथा, तथा, न , (ङ) अधुना यदि।

स्तर 6 रेखांकित पदों के उपसर्ग व मूल शब्द पृथक कीजिए- LS 811

(क) ग्राम निवासिभिः सम्भूय <u>प्रयत्नः</u> विधेयः।

(ख) <u>परिश्रमशीलाः</u> ग्रामीणाः धान्यादिकम् उत्पादयन्ति।

(ग) वृक्षाः <u>निःस्वार्थम्</u> एव फलं छायां च प्रयच्छन्ति।

(घ) ग्राम्यजीवनं <u>सुव्यवस्थितं</u> भवति।

(ङ) कृषिव्यवसायः लाभप्रदः <u>सञ्जातः</u>।

उत्तर -

	शब्द	उपसर्ग	मूलशब्द
(क)	प्रयत्नः	प्र	यत्नः
(ख)	परिश्रमशीलाः	परि	श्रमशीलाः
(ग)	निःस्वार्थम्	निः	स्वार्थम्
(घ)	सुव्यवस्थितं	सु	व्यवस्थितं
(ङ)	सञ्जातः	सम्	जातः

स्तर 7 निम्न वाक्यों में क्रियापदों को उनके लकार, पुरूष व वचन लिखिए - LS 805 , LS 811, LS 813

(क) ग्राम्यजीवनं सुव्यवस्थितं भवति।

(ख) क्षेत्रे बीजानि वपन्ति।

(ग) ग्रामे शुक-हंस-मयूर कोकिलादय पक्षिणः कूजन्ति।

(घ) धूलिधूसरिताः बालकाः क्रीडां कुर्वन्ति।

(ङ) ग्राम्यजीवनम् सुखकरं भविष्यति।

उत्तर -

	क्रियापदः	धातुः	लकारः	पुरूषः	वचनम्
(क)	भवति	भव्	लट्लकारः	प्रथम पुरूषः	एकवचन
(ख)	वपन्ति	वप्	लट्लकारः	प्रथम पुरूषः	एकवचन
(ग)	कूजन्ति	कू	लट्लकारः	प्रथम पुरूषः	एकवचन
(घ)	कुर्वन्ति	कृ	लट्लकारः	प्रथम पुरूषः	एकवचन
(ङ)	भविष्यति	भव्	लृटलकारः	प्रथम पुरूषः	एकवचन

कक्षा - आठवीं

नवमः पाठः

षड्ऋतुवर्णनम्

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS 801, LS 802, LS 803, LS 804, LS 809

(क) कः ऋतुराजः इति कथ्यते ?

उत्तर - वसन्त ऋतुराजः इति कथ्यते।

(ख) वने उपवने च कानि विकसन्ति ?

उत्तर - वने उपवने च विविधानि पुष्पाणि विकसन्ति।

(ग) शीतलः मन्दः सुगन्धः कः प्रवहति ?

उत्तर - शीतलः मन्दः सुगन्धः मलयानिलः प्रवहति।

(घ) कया नद्या: जलेन परिपूर्णाः भवन्ति ?

उत्तर - अतिवृष्ट्या नद्या: जलेन परिपूर्णाः भवन्ति।

(ङ) हेमन्ते जनाः कानि धारयन्ति ?

उत्तर - हेमन्ते जनाः ऊर्णवस्त्राणि धारयन्ति।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का संधि विच्छेद कर नाम संधि नाम लिखिए – LS 805, LS 811

(क) वसन्ते <u>समशीतोष्ण</u> वातावरणं भवति।

(ख) अस्मिन् दिने <u>वाग्देव्याः</u> पूजनमपि भवति।

(ग) आम्रवृक्षाः मजरीभिः <u>अतीव</u> शोभन्ते।

(घ) शिशिर समापनावसरे जनाः <u>वसन्तागमनस्य</u> प्रफुल्लतायां पीतवस्त्राणि धारयित्वा हर्षमनुभवन्ति।

(ङ) मन्दः सुगन्धः <u>मलयानिलः</u> प्रवहति।

उत्तर

	पद	संधिविच्छेद	नाम
(क)	समशीतोष्ण	समशीत + उष्ण	गुण स्वर संधिः
(ख)	वाग्देव्याः	वाक् + देव्याः	व्यंजन संधिः
(ग)	अतीव	अति + इव	दीर्घ स्वर संधिः
(घ)	वसन्तागमनस्य	वसन्त + आगमनस्य	दीर्घ स्वर संधिः
(ङ)	मलयानिलः	मलय + अनिलः	दीर्घ स्वर संधिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS 811

(क)अस्माकं देशे ....भवन्ति। (सप्तऋतवः, षड्ऋतवः)

(ख) ....मञ्जीभिः अतीव शोभन्ते। (आम्रवृक्षाः, वटवृक्षाः)

(ग) वसन्ते गते .... आगच्छति। (ग्रीष्मः, शीतः)

(घ) .... नद्याः जलेन परिपूर्णाः भवन्ति।(अल्पवृष्ट्या, अतिवृष्ट्या)

(ङ) शिशिरे .... पवनाः वहन्ति। (शीताः, प्रचण्डाः)

उत्तर - (क) षड्ऋतवः, (ख) आम्रवृक्षाः, (ग) ग्रीष्मः, (घ) अतिवृष्ट्या, (ङ) शीताः

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों रेखांकित पदों के विशेषण विशेष्य पृथक् कीजिए - LS 811

(क) अस्माकं देशे <u>षड्ऋतवः</u> सन्ति।

(ख) वसन्तः <u>ऋतुराजः</u> इति कथ्यते।

(ग) वने उपवने च <u>विविधानि पुष्पाणि</u> विकसन्ति।

(घ) वनचराः <u>नभचराः प्रमुदिताः</u> भवन्ति।

(ङ) <u>हरितवर्णा</u> आम्रफलं पक्वा पीतायते।

उत्तर	पद	विशेषण	विशेष्य
(क)	षड्ऋतवः	षड्	ऋतवः
(ख)	ऋतुराजः	राजः	ऋतु
(ग)	विविधानि पुष्पाणि	विविधानि	पुष्पाणि
(घ)	नभचराः प्रमुदिताः	प्रमुदिता	नभचराः
(ङ)	हरितवर्णा	हरित	वर्णा

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों से अव्यय पद चुनकर लिखिए - LS 811

(क) वने उपवने च विविधानि पुष्पाणि विसन्ति।

(ख) स्वेद बिन्दुरूपेण शरीरात् बहिः निर्गच्छति।

(ग) प्रचण्डः समीरः एव वर्षाऋतोः आगमनं सूचयति।

(घ) ततः शरद्ऋतुः आयाति।

(ङ) तण्डुलयुक्ताः शालयः कनकप्रभा इव दृश्यन्ते।

उत्तर - (क) च, (ख) बहिः, (ग) एव, (घ) ततः, (ङ) इव

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित कृदन्त पदों में धातु प्रत्यय पृथक करके लिखिए - LS 811

(क) वसन्तागमनस्य प्रफुल्लतायां पीतवस्त्राणि धारयित्वा हर्षमनुभवन्ति।

(ख) वृक्षाणां पत्राणि जीर्णानि भूत्वा पृथिव्यां पतन्ति।

(ग) वनचराः नभचराः प्रमुदिताः भवन्ति।

(घ) हरितवर्णाम्रफलं पक्वा पीतायते।

उत्तर - (क) धारयित्वा धृ + क्त्वा

(ख) भूत्वा भू + क्त्वा

(ग) प्रमुदिता प्र + मुद् + क्त

(घ) पक्वा पक् + क्त्वा

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापदों को चुनकर लिखिए - LS 811, LS 813

(क) शीतलः मन्दः सुगन्धः मलयानिलः प्रवहति।

(ख) वृक्षाः नवपल्लवानि धारयन्ति।

(ग) वसन्ते गते ग्रीष्मः आगच्छति।

(घ) ग्रीष्मे प्रचण्डसूर्यातपेन धरा तपति।

(ङ) वर्षाऋतौ जलदः स्वजल धाराभिः पृथिवीं पूरयति।

उत्तर (क) प्रवहति

(ख) धारयन्ति

(ग) आगच्छति

(घ) तपति

(ङ) पूरयति।

दशमः पाठः

राष्ट्रियः सत्रचयः

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS 801, LS 802, LS 803, LS 804, LS 809, LS 812

(क) कस्माद् मधुकोशोऽयं निर्मितः ?

उत्तर - मधुमक्षिकाः शनैः शनैः पुष्परसम् आहत्य एकत्रितं कुर्वन्ति तस्माद् मधुकोशोऽयं निर्मितः

(ख) धनप्राप्तेः साधनानि कानि कानि ?

उत्तर - धनप्राप्तेः साधनानि करग्रहणं, औद्योगिकोत्पादनं इत्यादीनि सन्ति।

(ग) पत्रालयसञ्चालिता सञ्चययोजना का सन्ति ?

उत्तर-पत्रालयसञ्चालिता सञ्चययोजना मध्ये सञ्चयपुरस्कार योजना संरक्षितसञ्चययोजना भविष्यनिधियोजना इत्यादयः च सन्ति।

(घ) राष्ट्रियः सञ्चयः योजना का ?

उत्तर - शासनेन नगरेषु ग्रामेषु च कोषालयानां पत्रालयानां च शाखा स्थापिताः।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का संधि विग्रह कर नाम लिखिए- LS 805, LS 811

(क) पुष्परसात् मधुमक्षिकाः <u>मधुकोशोऽयं</u> निर्मितः।

(ख) यदि <u>कोऽपि</u> मधु ग्रहीतुमायाति तर्हि मक्षिकाः तं दशन्ति।

(ग) अन्या: <u>स्वव्ययार्थं</u> प्राप्तधनस्य न केवलं संचयः कृतः।

(घ) <u>कोषालयपत्रालयमाध्यमेन</u> च नागरिकाः धनसङ्ग्रहं कुर्वन्ति।

(ङ) सञ्चयपुरस्कारयोजना संरक्षितसञ्चययोजना भविष्यनिधियोजना <u>इत्यादयः</u>।

उत्तर	पद	सन्धि विग्रह	संधि का नाम
(क)	मधुकोशोऽयं	मधुकोशः + अयं	विसर्ग सन्धिः
(ख)	कोऽपि	कः + अपि	विसर्ग सन्धिः
(ग)	स्वव्ययार्थं	स्वव्यय + अर्थं	दीर्घ स्वर सन्धिः
(घ)	पत्रालय	पत्र + आलय	दीर्घ स्वर सन्धिः
(ङ)	इत्यादयः	इति + आदयः	दीर्घ स्वर सन्धिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS 811

(क) .... भूचालेन पीडितजनानां सेवार्थं धनं समर्पयिष्यति। (शिवा, श्यामा)

(ख) यदि कोऽपि मधु ग्रहीतुमायति तर्हि .... तं दशन्ति। (मक्षिकाः, वृश्चिकाः)

(ग) क्षणशः कणशश्चैव .... च चिन्तयेत्। (सेवार्थं, विद्यामर्थं)

(घ) पत्रालयमाध्यमेन विद्यालयेषु .... योजनायाः व्यवस्था। (सञ्चायिकायाः, कुजिंकायाः)

(ङ) .... मधुकोशस्य निर्माणं कुर्वन्ति। (मधुमक्षिकाः, मक्षिकाः)

उत्तर - क. श्यामा, ख. मक्षिकाः, ग. सेवार्थं, घ. सञ्चायिकायाः, ङ. मधुमक्षिकाः

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पद के विशेषण विशेष्य पृथक् कीजिए- LS 811

(क) धनस्य भूचाल <u>पीडितजनानां</u> सहायतार्थं प्रदानम्।

(ख) शनैः शनैः पुष्परसैः <u>मधुकोशः</u> निर्मितः

(ग) पत्रालयसञ्चालिताः <u>अनेकाः सञ्चययोजनाः</u> सन्ति।

(घ) आसां योजनानां <u>महती उपयोगिता</u> अस्ति।

(ङ) राष्ट्रिय सञ्चययोजनान्तर्गतं <u>धनसङ्ग्रहं</u> कुर्वन्ति।

उत्तर -

	पद	विशेषण	विशेष्य
(क)	पीडितजनानां	पीडित	जनानां
(ख)	मधुकोशः	मधु	कोशः
(ग)	अनेकाः संचययोजनाः	अनेकाः संचय	योजनाः
(घ)	महती उपयोगिता	महती	उपयोगिता
(ङ)	धनसङ्ग्रहं	धन	सङ्गहं

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय पद छाँटकर लिखिए- LS 811

(क) अस्मिन् वृक्षे तु मधुकोशः लम्बते ?

(ख) मधुमक्षिकाः शनैः शनैः पुष्परसम् आहृत्य एकत्रितं कुर्वन्ति।

(ग) धनसञ्चयस्तु कोषालयपत्रालयमाध्यमेन च भवति।

(घ) यदि एवं तर्हि वयम् अपि स्वकीयं धनं पत्रालयेषु सचिंतं करिष्यामः।

(ङ) यदि कोऽपि मधु ग्रहीतुमायाति तर्हि मक्षिकाः तं दशन्ति।

उत्तर (क) तु, (ख) शनैः शनैः, (ग) च , (घ) यदि एवं अपि, तर्हि, (ङ) यदि अपि तर्हि

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में कृदन्त पदों को छाँटकर धातु प्रत्यय अलग कीजिए- LS 811

(क) देशस्य आर्थिक, सामाजिक विकासाय धनमावश्यकम्

(ख) देशस्य औद्योगिकविकासाय च धनमावश्यकम्।

(ग) अन्याः स्वव्ययार्थं प्राप्त धनस्य न केवलं सञ्चयः कृतः।

(घ) धनस्य भूचालपीडितेभ्यः प्रदाय सदुपयोगोऽपि कृतः।

(ङ) कस्माद् मधुकोशोऽयं निर्मितः ?

उत्तर -

	कृदन्त पद	धातु प्रत्यय
(क)	सामाजिक	समाज + ठक्
(ख)	औद्योगिक	उद्योग + ठक्
(ग)	कृतः	कृ + क्त
(घ)	प्रदाय	प्र + दा + ल्यप्
(ङ)	निर्मितः	निर् + मा + क्त

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद चुनकर लिखिए- LS 811, LS 813

(क) वृक्षे मधुकोशः लम्बते।

(ख) यदि कोऽपि मधु ग्रहीतुमायाति तर्हि मक्षिकाः तं दशन्ति।

(ग) अहं भूचालेन पीडितजनानां सेवार्थं इदं धनं समर्पयिष्यामि।

(घ) कृपया भवान् तद्विषये अस्मान् उपदिशतु।

(ङ) वयम् अपि स्वकीयं धनं पत्रालयेषु सञ्चितं करिष्यामः।

उत्तर (क) लम्बते ।

(ख) दशन्ति ।

(ग) समर्पयिष्यामि।

(घ) उपदिशतु ।

(ङ) करिष्यामः ।

एकादशः पाठः

चतुरः वानरः

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए – LS801, LS802, LS803, LS804 LS808, LS809, LS811

(क) नदीतीरे एकः कः आसीत् ?

उत्तर - नदीतीरे एकः जम्बूवृक्षः आसीत्।

(ख) जम्बूवृक्षे एकः कः प्रतिवसति स्म ?

उत्तर - जम्बूवृक्षे एकः वानरः प्रतिवसति स्म।

(ग) वानरः प्रतिदिनं वानराय कानि अयच्छत् ?

उत्तर - वानरः प्रतिदिनं वानराय फलानि अयच्छत्।

(घ) वृक्षस्कन्धात् अवतीर्य वानरः कस्मिन् उपाविशत् ?

उत्तर - वृक्षस्कन्धात् अवतीर्य वानरः मकरपृष्ठे उपाविशत्।

(ङ) नदीजले वानरं विवशं मत्वामकरः किं अकथयत् ?

उत्तर - नदीजले वानरं विवशं मत्वा मकरः कि अकथयत् ''मम पत्नी तव हृदयं खादितुमिच्छति''।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों संधि विच्छेद कर नाम लिखिए - LS805, LS811

(क) <u>कश्चित्</u> मकरोऽपि तस्यां नद्याम् अवसत्।

(ख) शीघ्रं <u>तत्रैव</u> नय अहं स्वहृदयमानीय भ्रातृजायायै दास्यामि।

(ग) अबुद्ध्वा वानरं <u>पुनस्तमेव</u> वृक्षमनयत्।

(ध) विश्वासो हि <u>ययोर्मध्ये</u>।

(ङ) <u>यस्मिन्नैवास्ति</u> विश्वासः तस्मिन् मैत्री क्व सम्भवा ?

उत्तर -	पद	संधि विच्छेद	नाम
(क)	कश्चित्	कः + चित्	विसर्ग सन्धिः
(ख)	तत्रैव	तत्र + एव	वृद्धि स्वर सन्धिः
(ग)	पुनस्तमेव	पुनः + तमेव	विसर्ग सन्धिः
(ध)	ययोर्मध्ये	ययोः + मध्ये	विसर्ग सन्धिः

(ङ) यस्मिन्नैवास्ति यस्मिन् + एव + अस्ति व्यञ्जन सन्धिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - LS809, LS811

(क) नदीतीरे एक .... आसीत्। (आम्रवृक्षः, जम्बूवृक्षः)

(ख) मकरः अकथयत् मम पत्नी तव ....खादितुमिच्छति। (हृदयं, नेत्रं)

(ग) वानरः अकथयत् मम हृदयं तु वृक्षस्य .... एव निहितम् (कोटरे, शाखायाम्)

(घ) .... हि ययोर्मध्ये। (अविश्वासो, विश्वासो)

(ङ) त्वया सह मम मैत्री समाप्ता इति .... कथयति। (मकरः, वानरः)

उत्तर - (क) जम्बूवृक्षः, (ख) हृदयं, (ख) कोटरे, (घ) विश्वासो, (ङ) वानरः ।

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के विशेषण विशेष्य पृथक कीजिए- LS811

(क) वानरस्य हृदयभक्षणाय मकरजायायाः <u>बलवती स्पृहा</u>।

(ख) मकरस्य वचनं श्रुत्वा <u>विश्वस्तः वानरः</u> वृक्षस्कन्धात् अवतीर्य मकरपृष्ठे उपाविशत्।

(ग) <u>चतुरः वानरः</u> शीघ्रमकथयत्।

(घ) <u>मूर्खः मकरः</u> तस्य गूढमाशयम् अबुद्ध्वा वानरं पुनस्तमेव वृक्षमनयत्।

(ङ) वानरः प्रतिदिनं जम्बूफलानि अयच्छत् तेन <u>प्रीतः मकरः</u> वानरस्थ मित्रमभवत्।

उत्तर -

	पद	**विशेषण**	**विशेष्य**
(क)	बलवती स्पृहा	बलवती	स्पृहा
(ख)	विश्वस्तः वानरः	विश्वस्तः	वानरः
(ग)	चतुरः वानरः	चतुरः	वानरः
(घ)	मूर्खः मकरः	मूर्खः	मकरः
(ङ)	प्रीतः मकरः	प्रीतः	मकरः

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों से अव्यय पद चुनकर लिखिए - LS811

(क) एकदा मकरः कानिचित् जम्बूफलानि पत्न्यै अपि दातुं आनयत्।

(ख) वानरः अपृच्छत् कुत्र ते गृहम् ?

(ग) कथमहं तत्र गन्तुं शक्नोमि।

(घ) ततः वृक्षमारूह्य वानरः अवदत्।

(ङ) धिङ् मूर्ख! अपि हृदयः शरीरात् पृथक् तिष्ठति।

उत्तर - (क) एकदा अपि (ख) कुत्र, (ग) कथम्, तत्र, (घ) ततः, (ङ) अपि, धिङ्, पृथक।

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों से कृदन्त पद चुनकर धातु प्रत्यय पृथक् कीजिए - LS811

(क) जम्बूफलानि खादित्वा मकरस्य जाया अचिन्तयत्।

(ख) यदि मां जीवितुं द्रष्टुम् इच्छसि तर्हि शीघ्रम् आनय तस्य वानरस्य हृदयम्।

(ग) मकरः अकथयत् मम पत्नी तव हृदयं खादितुम् इच्छति।

(घ) ततः वृक्षम् आरूह्य वानरः अवदत्।

(ङ) मम हृदयं तु वृक्षस्य कोटरे एव निहितम्।

उत्तर	पद	धातु	प्रत्यय
(क)	खादित्वा	खाद्	+ क्त्वा
(ख)	द्रष्टुम	दृश्	+ तुमुन्
(ग)	खादितुम्	खाद्	+ तुमुन्
(घ)	आरूह्य	आ	+ रूह् + ल्यप्
(ङ)	निहितम्		नि + धा + क्त

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का विभक्ति वचन लिखिए - LS805, LS811

(क) <u>नदीतीरे</u> एकः जम्बूवृक्षः आसीत।

(ख) कश्चित् मकरोऽपि <u>तस्यां</u> नद्याम् अवसत्।

(ग) <u>मित्रस्य</u> हृदयमपि जम्बूवत् मधुरं भविष्यति।

(घ) <u>पत्न्याः</u> हठात् विवशः मकरः आसीत्।

(ङ) अहं स्वहृदयमानीय <u>भातृजायायै</u> दत्वा तां तोषयामि इति।

उत्तर -	पद	विभक्तिः	वचनम्
(क)	नदीतीरे	सप्तमी	एकवचन
(ख)	तस्यां	सप्तमी	एकवचन
(ग)	मित्रस्य	षष्ठी	एकवचन
(घ)	पत्न्याः	पञ्चमी	एकवचन
(ङ)	भातृजायायै	चतुर्थी	एकवचन

द्वादशः पाठः

महर्षि दधीचिः

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर संस्कृत में लिखिए ? LS803, LS809, LS810

(क) भारतीया संस्कृतिः का अस्ति ?

उत्तर - भारतीया संस्कृतिः सर्वश्रेष्ठा संस्कृति अस्ति।

(ख) सर्वेषु परोपकारिषु महापुरूषेषु अग्रगण्यः कः मन्यते ?

उत्तर - सर्वेषु परोपकारिषु महापुरूषेषु अग्रगण्यः महर्षिः दधीचिः अस्ति।

(ग) प्राचीनकाले के मध्ये भयंकरसंग्रामोऽभूत

उत्तर - प्राचीनकाले देवानां दानवानां च भयङ्करसंग्रामोऽभूत।

(घ) कः ऋषीणां शिरोमणिः वर्तते ?

उत्तर - महर्षिः दधीचिः ऋषीणां शिरोमणिः वर्तते।

(ङ) कः वृत्रासुरस्य वधायै स्वदेहं दास्यति ?

उत्तर - महर्षिः दधीचिः वृत्रासुरस्य वधायै स्वदेहं दास्यति।

स्तर 2 निम्न वाक्यों में रेखांकित पदों के संधि कर नाम लिखिए- LS805, LS811

(क) वृत्रासुरस्य वधः वज्रेण संभवः +अस्ति।

(ख) दानवानां नायकः वृत्र + असुरः आसीत्।

(ग) देवानां नै +अकः इन्द्रः आसीत्।

(घ) व्रत +उपवासैः तपसा च महात्मनो देहः पावनः सम्पन्नः।

(ङ) तत्र गत्वां भगवतो विष्णोः वृत्रासुरस्य अति +आचारं अवर्णयत्।

उत्तर -	संधिः विग्रहः पदः	संधिः	संधि का नाम
(क)	संभवः +अस्ति	संभवोऽस्ति	विसर्ग संधिः
(ख)	वृत्र +असुरः	वृत्रासुर	दीर्घ स्वर संधि
(ग)	नै +अकः	नायकः	अयादि स्वर संधि
(घ)	व्रत +उपवासैः	व्रतोपवासैः	गुण स्वर संधि
(ङ)	अति +आचारम्	अत्याचारम्	यण स्वर संधि

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS803, LS809

(क) देवानां दानवानां च सङ्ग्रामे देवानां नायकः......................आसीत्। (वृत्रासुरः/इन्द्रः)

(ख) .... वृत्रासुरस्य वधः संभवोऽस्ति। (वज्रेण/खड्गेण)

(ग)महाराजः शिविः .... स्वदेहमासं दन्तवान्। (देवरक्षायै/कपोतरक्षायै)

(घ)देवशिल्पी .... वज्रस्य निर्माणम् अकरोत्। (विश्वकर्मा/चित्रगुप्तः)

(ङ)वज्रेण देवराज .... वृत्रासुरस्य वध चकार। (विष्णो/इन्द्रो)

उत्तर - (क) इन्द्रः, (ख) वज्रेण, (ग) कपोतरक्षायै, (घ) विश्वकर्मा, (ङ) इन्द्रो

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के विशेषण विशेष्य पृथक् कीजिए - LS811

(क) प्राचीनकाले देवानां दानवानां च <u>भयंकरसंग्रामः</u> अभवत्।

(ख) भारतीया संस्कृतिः <u>सर्वश्रेष्ठा संस्कृतिः</u> अस्ति।

(ग) इन्द्रस्य सकलां <u>देवसेनां</u> पराजयत्।

(घ) <u>अनेके मुनयः</u> भारतीय संस्कृतिम् अरक्षन्।

(ङ) दधीचिस्तु सर्वकालाय देहं विमुच्य <u>यशशरीरो</u> अभवत्।

उत्तर -

	पद	विशेषण	विशेष्य
(क)	भयंकरसंग्राम	भयकरः	संग्रामः
(ख)	सर्वश्रेष्ठा संस्कृतिः	सर्वश्रेष्ठा	संस्कृतिः
(ग)	देवसेनां	देव	सेनाम्
(घ)	अनेके मुनयः	अनेके	मुनयः
(ङ)	यशशरीरो	यश	शरीरो

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय चुनकर लिखिए - LS811

(क) वृत्रासुरेण सह संघर्षे देवनायकः इन्द्रः पराजितः।

(ख) विष्णुः उक्तवान् यत् वरं ब्रुवत देवाः अबुवन्।

(ग) तत्र गत्वा ते वृत्रासुरस्य अत्याचारं वर्णयित्वा तद्वधाय महर्षेः देहम् अयाचन्।

(घ) यः खलु प्राणिनां शोके शोकं हर्षे हर्षं च अनुभवति।

(ङ) यषः शरीरेण अद्यापि जीवति।

उत्तर - (क) सह, (ख) उक्तवान्, (ग) तत्र, (घ) यः, (ङ) अद्यापि

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित धातु-प्रत्यय को योगकर कृदन्त पद लिखिए - LS811

(क) वृत्रासुरेण सह संघर्षे देवनायकः इन्द्रः <u>परा + जि + क्त</u> ।

(ख) प्रार्थनां <u>श्रु + क्त्वा</u> प्रसन्नो भगवान् विष्णुः अब्रवीत्।

(ग) तत्र <u>गम् + क्त्वा</u> भगवतो विष्णोः वृत्रासुरस्य अत्याचारम् अवर्णयत्।

(घ) यदि वज्रस्य <u>निर् + मा + ल्युट्</u> भवेत् तर्हि तेन वज्रेण वृत्रासुरस्य वधः संभवोऽस्ति।

(ङ) भगवन्तं विष्णुम् <u>उप + गम् + ल्यप्</u> स्वरक्षायै प्रार्थयन्।

उत्तर -

	धातु प्रत्यय	कृदन्त पद
(क)	परा + जि + क्त	पराजितः
(ख)	श्रु + क्त्वा	श्रुत्वा
(ग)	गम् + क्त्वा	गत्वा
(घ)	निर् + मा + ल्युट्	निर्माणम्
(ङ)	उप + गम + ल्यप्	उपगम्य

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद छाँटकर लिखिए - LS811, LS813

(क) महर्षेः दधीचेः नाम सर्वेषु परोपकारिषु महापुरूषेषु अग्रगण्यः मन्यते।

(ख) भगवान् विष्णुः अब्रवीत।

(ग) महर्षिः दधीचिः सर्वेषाम् ऋषीणां शिरोमणिः वर्तते।

(घ) महर्षिः दधीचिः परोपकारार्थं अवश्य स्वदेहं दास्यति।

(ङ) वज्रेण देवराज इन्द्रो वृत्रासुरस्य वधं चकार।

उत्तर - (क) मन्यते ।

(ख) अब्रुवन् ।

(ग) वर्तते ।

(घ) दास्यति ।

(ङ) चकार ।

त्रयोदश: पाठः

रामगिरिः (रामगढम्)

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS803, LS809

(क) छत्तीसगढप्रदेशस्य उत्तरस्यां दिशि मुकुटमिव किं स्थितमस्ति ?

उत्तर - छत्तीसगढप्रदेशस्य उत्तरस्यां दिशि मुकुटमिव सरगुजामण्डलं स्थितमस्ति।

(ख) रामगढपर्वते कानि-कानि स्थानानि सन्ति ?

उत्तर - रामगढपर्वते हस्तिपोलः, सीतावेंगरा, जोगीमाड़ा, लक्ष्मणवेंगरा इत्येतानि स्थानानि सन्ति।

(ग) कः 'मेघदूतम्' काव्यस्य रचनामकरोत् ?

उत्तर - कालिदासः 'मेघदूतम्' काव्यस्य रचनामकरोत्।

(घ) नाट्यशाला कीदृशा निर्मिता ?

उत्तर - नाट्यशाला वृहत्शिला कर्तयित्वा निर्मिता।

(ङ) पर्वतस्योपरि एकं किं अस्ति ?

उत्तर - पर्वतस्योपरि एकं सिहंद्वारमस्ति।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों की संधि विच्छेद कर नाम लिखिए - LS805

(क) नाट्यशाला <u>आयताकारा</u> अस्ति।

(ख) <u>पर्वतस्योपरि</u> एकं सिंहद्वारमस्ति।

(ग) द्वारस्थ प्रस्तरः वृहदाकारोऽस्ति।

(घ) श्रीरामः वनवासकाले किंञ्चितकालम् अत्र <u>न्यवसत्</u>।

(ङ) तरवः <u>स्निग्धच्छाया</u> किंञ्चितकालम् अत्र न्यवसत्।

उत्तर -

	पद	सन्धि विच्छेद	नाम
(क)	आयताकारा	आयत + आकारा	दीर्घ स्वर संधिः
(ख)	पर्वतस्योपरि	पर्वतस्य + उपरि	गुण स्वर संधिः
(ग)	वृद्वाकारोऽस्ति	वृद्ध + आकारः + अस्ति	दीर्घ स्वर संधिः
(घ)	न्यवसत्	नि + अवसत्	यण स्वर संधिः
(ङ)	स्निग्धच्छाया	स्निग्धत् + छाया	व्यञ्जन संधिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - LS801, LS809, LS810

(क) रामगिरिः .... स्थितमस्ति। (सरगुजामण्डलं, बिलासपुरमण्डलं)

(ख) हस्तिपोलेति ....फुट परिमिता प्राकृतिक सुरंगिका अस्ति। (150, 180)

(ग) हस्तिपोले एकं .... जलकुण्डं वर्तते। (शीतलं, उष्णं)

(घ) नाट्यशालां जनाः यां .... इति कथयन्ति। (लक्ष्मणवेंगरा, सीतावेंगरा)

(ङ) जोगीमाडा गुहायाः अग्रभागे अपरा .... गुहा अस्ति। (लक्ष्मणवेंगरा, सीतावेंगरा)

उत्तर - (क) सरगुजामण्डलं, (ख) 180, (ग) शीतलं, (घ) सीतावेंगरा, (ङ) लक्ष्मणवेंगरा

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के विशेषण विशेष्य पृथक् कीजिए - LS811

(क) रामागिरिः पर्वते एकं <u>शीतलं जलकुण्डं</u> वर्तते।

(ख) तखः <u>स्निग्धच्छाया</u> इति रामगिरेः वर्णनं कृतम्।

(ग) नाट्यशाला <u>वृहत्शिला</u> कर्तयित्वा निर्मिता।

(घ) नाट्यशालास्यां <u>द्वारं गोलाकारं</u> अस्ति।

(ङ) <u>ब्राह्मीलिप्याम्</u> उत्कीर्णः एकः शिलालेखोऽस्ति।

उत्तर -

	पद	विशेषण	विशेष्य
(क)	शीतलं जलकुण्डं	शीतलं	जलकुण्डं
(ख)	स्निग्धच्छाया	स्निग्धत्	छाया
(ग)	वृहत्शिला	वृहत्	शिला
(घ)	द्वारं गोलाकारं	गोलाकारं	द्वारं
(ङ)	ब्राहमीलिप्याम्	ब्राहमी	लिप्याम्

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय पद चुनकर लिखिए - LS811

(क) अत्र श्रीरामः वनवानकाले किंचितकालं न्यवसत्।

(ख) विश्वकविः कालिदासः 'मेघदूतम्' इति काव्यस्य रचनामकरोत्।

(ग) सीतावेंगरा गुहायाः पार्श्वे अन्या गुहा 'जोगीमाडा' अस्ति।

(घ) तर्कयन्ति, विचारयन्ति अनन्योऽयं यत् रामगिरिरित्येव।

उत्तर - (क) अत्र, (ख) इति, (ग) पार्श्वे, (घ) यत्।

कक्षा - आठवीं

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के मूलशब्द विभक्ति वचन लिखिए - LS805, LS811

(क) <u>अस्य</u> अन्तर्भागे स्रोतः प्रवहति।

(ख) <u>अस्याः</u> भित्तयः वज्रलेपेन प्रलिप्ताः सन्ति।

(ग) <u>एषां</u> भितिचित्राणां विशिष्टमहत्वमस्ति।

(घ) <u>अस्यां</u> पालिभाषायां एकः शिलालेखः उत्कीर्णः।

(ङ) सरगुजामण्डले अनेकानि ऐतिहासिक पुरातात्विक स्थालानि सन्ति, तेषु अन्यतम रामागिरिः।

उत्तर -

	पद	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क)	अस्य	इदम्	षष्ठी	एकवचन
(ख)	अस्याः	इदम्	पञ्चमी/षष्ठी	एकवचन
(ग)	एषां	इदम्	षष्ठी	बहुवचन
(घ)	अस्यां	इदम्	सप्तमी	एकवचन
(ङ)	तेषु	तद्	सप्तमी	बहुवचन

चतुर्दशः पाठः

नीतिनवनीतम्

स्तर 1. अधोलिखित प्रश्नाना उत्तराणी संस्कृत भाषया लिखत - LS801, LS802, LS803, LS809

निम्न प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए -

(क) कोऽपि चञ्चवा स्वोदरपूरणम् न कुरूते

उत्तर - काकोऽपि चञ्चवा स्वोदरपूरणम् न कुरूते।

(ख) काः जकाराः पञ्च दुर्लभाः सन्ति

उत्तर - जननी, जन्मभूमिः, जाह्नवी, जनार्दनः जनकः पञ्च दुर्लभाः सन्ति।

(ग) केन सर्वे जन्तवः तुष्यन्ति?

उत्तर -प्रियवाक्य प्रदानपेन सर्वे जन्तवः तुष्यन्ति।

(घ) कस्य मूले भुजङ्गः भवति?

उत्तर - चन्दनस्य मूले भुजङ्गः भवति।

(ङ) चन्दनं किं मुञ्चति?

उत्तर - चन्दनं शीतलत्वम् मुञ्चचति।

स्तर 2. कोष्ठक से पदों को चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – LS801, LS809, LS810

(मञ्जूषात् पदानि चित्वा रिक्त स्थाना पूरयत) -

(चन्दनं, जन्तवः, काकः, जाह्नवी, अध्रुवं)

(क) .... अपि चञ्चवा स्वोदरपूरणम् न कुरूते।

(ख) प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे .... तुष्यन्ति।

(ग) जननी, जन्मभूमिः, ... जनकः, जर्नादनः च पञ्चदुर्लभाः सन्ति।

(घ) .... शीतलत्वम् मुञ्चति।

(ङ) ध्रुवाणि नश्यन्ति .... नष्टमेव हि।

उत्तर - (क) काकः (ख) जन्तवः (ग) जाह्नवी (घ) चन्दनं (ङ) अध्रुवं

स्तर 3. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS801, LS802, LS803, LS809

(उचित विकल्प चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत्)

(क)..........................अपि चञ्चवा स्वोदरपूरणम् न कुरूते। (पिकः/काकः)

(ख) यो ध्रुवाणि परित्यज्य अध्रुवाणि निसेवते तस्य .... नश्यति। (ध्रुवाणि/अध्रुवाणि)

(ग) विद्यार्थी सुप्तान् .... ।(प्रबोधयेत्/न बोधयेत्)

(घ) सर्वे जन्तवः .... प्रदानेन तुष्यन्ति। (प्रियवाक्य/ अप्रियवाक्य)

(ङ) चन्दनस्य .... भुजङ्गः भवति। (शिखरं, मूलं)

उत्तर - (क) काकः (ख) ध्रुवाणि (ग) प्रबोधेत् (घ) प्रियवाक्य (ङ) मूलं

स्तर 4. विलोमपदाना सुमेलनं कुरूत- LS811

विलोम शब्दों की जोड़ी बनाइए -

	(क)	(ख)
1	जननी	(अ) अध्रुवाणि
2	दुःखम्	(ब) शीतलम्
3	उष्णम्	(स) जनकः
4	अति	(द) सुखम्
5	ध्रुवाणि	(इ) अल्पम्

उत्तर -

	(क)	सही जोड़ी
1	जननी	(स) जनकः
2	दुःखम्	(द) सुखम्
3	उष्णम्	(ब) शीतलम्
4	अति	(इ) अल्पम्
5	ध्रुवाणि	(अ) अध्रुवाणि

प्रश्न 5. **सन्धि विच्छेदं कृत्वा नाम लिखत -** LS805, LS811

(सन्धि विच्छेद कर नाम लिखिए)

(क) काकोऽपि

(ख) स्वोदर

(ग) पळचमश्चैव

(घ) भृत्यश्चोत्तरदायकः

(ङ) मृत्युरेव

उत्तर - शब्द		सन्धि विग्रह	सन्धि का नाम
(क) काकोऽपि	-	काकः + अपि	विसर्ग सन्धिः
(ख) स्वोदर	-	स्व + उदर	गुण स्वर सन्धिः
(ग) पळचमश्चैव	-	पळचमः + च + एव	विसर्ग सन्धिः
(घ) भृत्यश्चोत्तरदायकः	-	भृत्यः + च + उत्तरदायकः	विसर्ग सन्धिः
(ङ) मृत्युरेव	-	मृत्युः + एव	विसर्ग सन्धिः

स्तर 6. अधोलिखित श्लोके अव्यय पदानि चित्वा लिखत - LS811

(निम्न श्लोक में अव्यय पदों को चुनकर लिखिए)-

यस्मिन् जीवन्ति जीवन्ति बहवः तु जीवति।

कुरूत किं न काकोऽपि चञ्चवा स्वोदर पूरणम्।।

उत्तर - तु, न, अपि, स्व

पञ्चदशः पाठ

प्रकृतिर्वेदना

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS801, LS802, LS809, LS810

(क) किं कारणात् मयकं पीडितः अस्ति ?

उत्तर - ग्रीष्मर्तौ विद्युताभावे प्रचण्डोष्मणा मयकं पीडितः अस्ति।

(ख) सर्वे मित्राणि कुत्र गच्छन्ति ?

उत्तर - सर्वे मित्राणि खारूननदीतीरं गच्छन्ति।

(ग) काः सरिति क्रीडन्ति ?

उत्तर - मत्स्याः सरिति क्रीडन्ति

(घ) कस्य विषादमयः रोदनध्वनिः अस्ति ?

उत्तर - वृक्षस्य विषादमयः रोदनध्वनिः अस्ति

(ङ) केन अस्मान् आनन्दयति ?

उत्तर - नदीस्वशीतलेन जलेन अस्मान् आनन्दयति।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का संधि विग्रह कर नाम लिखिए - LS805, LS811

(क) ग्रीष्मर्तौ विद्युतभावे प्रचण्डोष्मणा पीडितः अस्ति।

(ख) अहमपि <u>तथैव</u> आगच्छ खारूननदीतीरं गच्छामः।

(ग) <u>शीतलेऽस्मिन्</u> जले मन्देन समीरेण च मनः प्रसीदति।

(घ) <u>इतस्ततः</u> अवलोक्य नद्याः स्वर इव प्रतीयते।

(ङ) <u>ममापि</u> च जीवनम् अत्यन्तं कष्टप्रदं जातम्।

उत्तर -

पद	सन्धि विच्छेद	नाम
ग्रीष्मर्तौ	ग्रीष्म + ऋतौ	गुणस्वर सन्धिः
तथैव	तथा + एव	वृद्धिस्वर सन्धिः
शीतलेऽस्मिन्	शीतले + अस्मिन्	पूर्वरूप स्वर सन्धिः
इतस्ततः	इतः + ततः	विसर्ग सन्धिः
ममापि	मम + अपि	दीर्घस्वर सन्धिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS809 , LS810

(क) सूर्योदये .... विकसन्ति। (पद्मानि/कुमुदिनी)

(ख) चन्द्रोदये .... विकसन्ति। (पद्मानि/कुमुदिनी)

(ग) .... विद्युताभावे प्रचण्डोष्मणा पीडितः भवन्ति। (शीततौ/ग्रीष्मतौ)

(घ) सर्वे मित्राणि .... नदीतीरं गच्छन्ति। (खारून/महानदी)

(ङ) नदी वृक्षादयः प्रकृते ....। (अभिशापाः/उपहाराः)

उत्तर - (क) पद्मानि, (ख) कुमुदिनी, (ग) ग्रीष्मतौ, (घ) खारून, (ङ) उपहाराः

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों में विशेषण-विशेष्य पृथक कर लिखिए - LS811

(क) शीतलेजले मन्देन समीरेण च मनः प्रसीदति।

(ख) सहसा विषादमयः रोदनध्वनिः श्रूयते।

(ग) वृक्षः कथयति "जीवनम् अत्यन्तं कष्टप्रदं जातम्"।

(घ) नदी स्वशीतलेन जलेन अस्मान् आनन्दयति।

(ङ) तटे वर्तुलाकारेण वृक्षावलिः मनसि एतावती व्यथा वहन्ति।

उत्तर -

पद	विशेषण	विशेष्य
शीतले जले	शीतले	जले
रोदनध्वनिः	रोदन	ध्वनिः
अत्यन्तं कष्टप्रदं	अत्यन्तं	कष्टप्रदं
स्वशीतलेन जलेन	स्वशीतलेन	जलेन
वर्तुलाकारेण वृक्षावलिः	वर्तुलाकारेण	वृक्षावलिः

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय पदों को छाँटकर लिखिए - LS811

(क) अपि ध्वनिं श्रूयते।

(ख) अहम् अनुभवामि यत् येन केन प्रकारेण वृक्षकर्तनम् अवरोधनीयम्।

(ग) शीतलेऽस्मिन् जले मन्देन समीरेण च मनः प्रसीदति।

(घ) मण्डूकाः इतः ततः पलायन्ते।

(ङ) निरंतरं कर्तनेन वयं तु वृक्षाः समूलाः एव नष्टाः भवामः।

उत्तर - (क) अपि, (ख) अपि, (ग) च, (घ) इतः ततः, (ङ) एव तु

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित कृदन्त पदों के धातु प्रत्यय पृथक कीजिए - LS811

(क) उक्तं च - 'परोपकाराय सतां विभूतयः'।

(ख) ग्रीष्मर्तौ विद्युताभावे प्रचण्डोष्मणा पीडितं मयकं गृहात् निष्क्रम्य।

(ग) आगत्य वयस्य ! धर्मोष्मणा व्याकुलोऽहम्।

(घ) मार्गे एकः सरः दृष्ट्वान्।

(ङ) त्वं प्रवहन्ती जीविता तु असि।

उत्तर	पद	धातु + प्रत्यय
	उक्तं	वच् + क्त
	निष्क्रम्य	निस् + क्रम् + ल्यप्
	आगत्य	आ + गम् + ल्यप्
	दृष्ट्वान्	दृश् + तवतु
	प्रवहन्ती	प्र + वह् + शतृ

स्तर 7 उचित संबंध जोड़कर लिखिए - LS811, LS813

	(क)	(ख)
1	पद्मानि	वहति।
2	कन्दुकानी	पिबति।
3	बालकौ	विकसन्ति।
4	दुग्धं	क्रीडतः।
5	नदी	क्रीडन्ति।

उत्तर -	(क)	सही उत्तर
1	पद्मानि	विकसन्ति।
2	कन्दुकानी	क्रीडन्ति।
3	बालकौ	क्रीडतः।
4	दुग्धं	पिबति।
5	नदी	वहति।

षोडशः पाठः

मित्रं प्रति पत्रम्

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS801,LS802, LS803, LS809

(क) 'मित्रं प्रति पत्रम्' पत्रे लेखकः कः अस्ति ?

उत्तर - 'मित्रं प्रति पत्रम्' पत्रे लेखकः सूरजः अस्ति।

(ख) रायपुरनगरे कः निवसति ?

उत्तर - रायपुरनगरे सूरजः निवसति।

(ग) पत्रे कस्याः शोभा वर्णनं वर्तते ?

उत्तर - पत्रे रायपुरनगरस्य दीपावल्याः शोभा वर्णनम् वर्तते।

(घ) राहुलः कुत्र निवसति ?

उत्तर - राहुलः बिलासपुरनगरे निवसति।

(ङ) आपणे कानि सज्जितानि आसन् ?

उत्तर - आपणे नानाप्रकाराणि मिष्ठान्नानि सज्जितानि आसन्।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित समासिक पदों के समास विग्रह कर नाम लिखिए - LS805, LS811

(क) त्वं रायपुरनगरस्य दीपावल्याः <u>शोभावर्णनम्</u> अपृच्छः।

(ख) आपणे <u>नानाप्रकारमिष्टान्नानि</u> सज्जितानि आसन्।

(ग) रात्रौ <u>नगरशोभां</u> वर्धयन्ति स्म।

(घ) सर्वत्र <u>महाजनसम्मर्दः</u> आसीत्।

(ङ) <u>स्वपिताचरणेषु</u> सादरं मम प्रणामान् कथय।

उत्तर -	समासिक पद	समास विग्रह	नाम
	शोभावर्णनम्	शोभायाः वर्णनम्	षष्ठी तत्पुरूष समास
	नानाप्रकारमिष्टान्नानि	नानाप्रकाराणि मिष्टान्नानि	कर्मधारय समास
	नगरशोभां	नगरस्य शोभा	षष्ठी तत्पुरूष समास
	महाजनसम्मर्दः	महान् जनसम्मर्दः	कर्मधारय समास
	स्वपिताचरणेषु	स्वपित्रोः चरणेषु	षष्ठी तत्पुरूष समास

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS801, LS802, LS809

(क) बिलासपुर नगरे .... निवसति। (राहुलः/सूरजः)

(ख) दीपावलिः उत्सवः .... भवति। (कार्तिक मासे/श्रावण मासे)

(ग) त्वं .... शोभावर्णनम् अपृच्छः। (होलिकायाः/दीपावल्याः)

(घ) .... भवनेषु तैलदीपपंक्तयः नगरस्य शोभां वर्धयन्ति स्म। (नगरस्य/ग्रामस्य)

(ङ) आपणे नानाप्रकाराणि .... सज्जितानि आसन्। (मिष्टान्नानि/पुष्पाणि)

उत्तर - (क) राहुलः, (ख) कार्तिक मासे (ग) दीपावल्याः (घ) नगरस्य (ङ) मिष्टान्नानि

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों से विशेषण विशेष्य पृथक कर लिखिए - LS811

(क) दीपावल्याः उत्सवः अतीव आह्लादेन जनैः सम्पादितः।

(ख) आपणे नानाप्रकाराणि मिष्टान्नानि सज्जितानि आसन्।

(ग) भवनेषु विद्युद्दीपपंक्तयः तैलदीपपंक्तयश्च नगरस्य शोभां वर्धयन्ति स्म।

(घ) सर्वत्र महान् जनसम्मर्दः आसीत्।

उत्तर -	पद	विशेषण	विशेष्य
(क)	अतीव आह्लादेन	अतीव	आह्लादेन
(ख)	नानाप्रकाराणि मिष्टान्नानि	नानाप्रकाराणि	मिष्टान्नानि
(ग)	नगरस्य शोभां	नगरस्य	शोभां
(घ)	महान् जनसम्मर्दः	महान्	जनसम्मर्दः

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय पद छाँटकर लिखो - LS811

(क) सर्वे जनाः स्वगृहाणि आपणान् च सुधया अलिम्पन्।

(ख) सर्वत्र महान् जनसम्मर्दः आसीत्।

(ग) त्वम् अपि स्वनगरस्य वर्णनं कुरू।

(घ) सः मित्रं प्रति पत्रं लिखति

उत्तर - (क) च, (ख) सर्वत्र, (ग) अपि (घ) प्रति।

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित क्रियापदों के धातु, लकार, पुरूष, और वचन लिखिए- LS805, LS811, LS813

(क) त्वं रायपुरनगरस्य दीपावल्याः शोभावर्णनम् अपृच्छः।

(ख) सर्वे जनाः स्वगृहाणि आपणान् च सुधया अलिम्पन्।

(ग) आपणे नानाप्रकाराणि मिष्टान्नानि सज्जितानि आसन्।

(घ) अहं वारं वारं त्वाम् अस्मरम्।

(ङ) स्वपित्रोः चरणेषु सादरं प्रणामान् कथय।

उत्तर -

	पद	धातु	लकारः	पुरूषः	वचनम्
(क)	अपृच्छः	प्रच्छ्	लङ्लकारः	मध्यम पुरूषः	एकवचनम्
(ख)	अलिम्पन्	लिम्प्	लङ्लकारः	प्रथम पुरूषः	बहुवचनम्
(ग)	आसन्	अस्	लङ्लकारः	प्रथम पुरूषः	बहुवचनम्
(घ)	अस्मरम्	स्मृ	लङ्लकारः	उत्तम पुरूषः	एकवचनम्
(ङ)	कथय	कथ्	लोट्लकारः	मध्यम पुरूषः	एकवचनम्

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के मूलशब्द, विभक्ति वचन लिखिए-

LS805, LS811

(क) तव पत्रं प्राप्य परमं प्रासीदम्।

(ख) क्रीडानकैः चित्रैश्च अलङ्कुर्वन्।

(ग) रात्रौ भवनेषु नगरस्य शोभां वर्धयन्ति स्म।

(घ) स्व पित्रोः चरणेषु सादरं मम प्रणामान् कथय।

(ङ) त्वं रायपुरनगरस्य दीपावल्याः शोभा वर्णनम् अपृच्छः।

उत्तर -

	पद	मूलशब्द	विभक्ति	वचन
(क)	तव	युष्मद्	षष्ठी	एकवचन
(ख)	क्रीडानकैः	क्रीडनक	तृतीया	बहुवचन
(ग)	रात्रौ	रात्रि	सप्तमी	एकवचन
(घ)	पित्रोः	पितृ	षष्ठी/सप्तमी	द्विवचन
(ङ)	दीपावल्याः	दीपावली	षष्ठी	एकवचन

सप्तदशः पाठः

अन्तरिक्षज्ञानम्

स्तर 1 निम्न प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS802, LS803

(क) अनन्तम् असीमं च किम् अस्ति ?

उत्तर - अनन्तम् असीमं च अन्तरिक्षम् अस्ति।

(ख) धूमकेतुः सौरमण्डलस्य कुतः परिभ्रमति।

उत्तर - धूमकेतुः सौरमण्डलस्य बहिरेव इतस्ततः परिभ्रमति।

(ग) उल्काः आकारे कीदृशः सन्ति ?

उत्तर - उल्काः आकारे अत्यन्तः लघव: सन्ति।

(घ) कः पृथिव्योपग्रहः इति कथ्यते ?

उत्तर - चन्द्रः पृथिव्योपग्रहः इति कथ्यते।

(ङ) किम् अतीव रोचकम् अस्ति ?

उत्तर - अन्तरिक्षविज्ञानम् अतीव रोचकम् अस्ति।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के संधि विग्रह कर नाम लिखिए -

LS805, LS811

(क) चन्द्रोऽपि सूर्य इव दृश्यते।

(ख) धूमकेतवस्य पुच्छम् अतिविशालं स्वल्पेनैव वाष्पेण निर्मितं भवति।

(ग) धूमकेतुः सौरमण्डलस्य बहिरेव इतस्ततः परिभ्रमति।

(घ) यद्यपि अन्तरिक्षविषयकाणि अनेकानि तथ्यानि वैज्ञानिकैः घोषित कृतानि।

(ङ) जनाः पञ्चपुष्पाणां नामोच्चारणेन अशुभनिवारणं कुर्वन्ति।

उत्तर -	पद	सन्धिविग्रह	नाम
(क)	चन्द्रोऽपि	चन्द्रः + अपि	विसर्ग सन्धिः
(ख)	स्वल्पेनैव	स्वल्पेन + एव	वृध्दिस्वर सन्धिः
(ग)	इतस्ततः	इतः + ततः	विसर्ग सन्धिः
(घ)	यद्यपि	यदि + अपि	यण स्वर सन्धिः
(ङ)	नामोच्चारणेन	नाम + उच्चारणेन	गुण स्वर सन्धिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

LS801, LS802 , LS803 , LS809

(क) सूर्यः .... अस्ति। (अतीवविशालः/लघवः)

(ख) उल्काः आकारे अत्यन्तः .... सन्ति। (लघवः/गुरवः)

(ग) .... पृथिव्योपग्रहः इति कथ्यते। (चन्द्रः/बुधः)

(घ)चन्द्रमाः पृथिवीतः...................... दूरे वसति। (लक्षमीलपरिमिते/लक्षद्वयमीलपरिमिते)

(ङ) भारतीयाः ज्योतिर्विद .... ग्रहान् निर्दिशन्ति। (अष्ट/नव)

उत्तर - (क) अतीवविशालः, (ख) लघवः, (ग) चन्द्रः, (घ) लक्षद्वयमीलपरिमिते, (ङ) नव

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों में विशेषण विशेष्य पृथक कीजिए - LS811

(क) <u>अन्तरिक्षम् अनन्तम्</u> असीमं चास्ति।

(ख) अस्मिन् सौरमण्डले <u>एकः आदित्यः</u>, अष्टग्रहाः अनेके उपग्रहः च सन्ति।

(ग) <u>सूर्यः अतीवविशालः</u> पृथिव्याः त्रयोदशलक्ष गुणितः अस्ति।

(घ) <u>सर्वेषु नक्षत्रेषु</u> एकः अयमेव धरायाः समीपवर्ती अस्ति।

(ङ) आकाशे <u>सहस्त्रं धूमकेतवः</u> अनेकाः उल्काः अपि प्राप्यन्ते।

उत्तर -

पद	विशेषण	विशेष्य
अन्तरिक्षम् अनन्तम्	अनन्तम्	अन्तरिक्षम्
एकः आदित्यः	एकः	आदित्यः
सूर्यः अतीवविशालः	अतीवविशालः	सूर्यः
सर्वेषु नक्षत्रेषु	सर्वेषु	नक्षत्रेषु
सहस्त्रं धूमकेतवः	सहस्त्रं अनेकाः	धूमकेतवः उल्काः

स्तर 5 निम्न वाक्यों से अव्यय पद चुनकर लिखिए - LS811

(क) अयं पृथिव्याः अपि लघुः अस्ति।

(ख) चन्द्रमा पृथिवी परितः अष्टाविंशति तमे दिवसे परिक्रमां पूरयति।

(ग) धूमकेतवः ग्रहेभ्यः उपग्रहेभ्यः च भिन्नाः भवन्ति।

(घ) धूमकेतुः सौरमण्डलस्य बहिरेव इतः ततः परिभ्रमति।

(ङ) एषा अपि सामाजिकमान्यता अस्ति यत् उल्कापिण्डस्य पतनात् धरायाः विनाशः भवति।

उत्तर - (क) अपि, (ख) परितः, (ग) च , (घ) ततः, (ङ) यत्

कक्षा - आठवीं

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के मूलशब्द, विभक्ति वचन लिखिए –

LS805, LS811

(क) <u>सौरमण्डले</u> एकः आदित्यः, अष्टग्रहाः, अनेके उपग्रहाः च सन्ति।

(ख) सूर्यः अतीवविशालः <u>पृथिव्याः</u> त्रयोदशलक्षगुणितः अस्ति।

(ग) धूमकेतवः <u>ग्रहेभ्यः</u> उपग्रहेभ्यः च भिन्नाः भवन्ति।

(घ) <u>सौरमंडलस्य</u> केंद्रे आदित्यः अस्ति।

(ङ) <u>अस्माभिः</u> विषयोऽयं ज्ञातव्यः।

उत्तर -	पद	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
	सौरमण्डले	सौरमण्डल	सप्तमी	एकवचनम्
	पृथिव्याः	पृथिवी	षष्ठी	एकवचनम्
	ग्रहेभ्यः	ग्रह	चतुर्थी/पञ्चमी	बहुवचनम्
	सौरमण्डलस्य	सौरमण्डल	षष्ठी	एकवचनम्
	अस्माभिः	अस्मद्	तृतीया	बहुवचनम्

स्तर 7 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित कृदन्त पदों के धातु और प्रत्यय को पृथक् कर लिखिए –

LS811

(क) धूमकेतवस्य पुच्छम् अति विशालं स्वल्पेनैव वाष्पेण <u>निर्मितं</u> भवति।

(ख) सकलं नभः विभाजयन् तीव्रेण वेगेन उल्कापिण्डः दूरं <u>गत्वा</u> लुप्तो भवति।

(ग) वैज्ञानिकैः अधिकाधिकं <u>ज्ञातुं</u> प्रयत्नशीलाः एव सन्ति।

(घ) अस्माभिः विषयोऽयं <u>ज्ञातव्यः</u>।

उत्तर -	पद	धातु + प्रत्यय
(क)	निर्मितम्	निर् + मा + क्त
(ख)	गत्वा	गम् + क्त्वा
(ग)	ज्ञातुं	ज्ञा + तुमुन्
(घ)	ज्ञातव्यः	ज्ञा + तव्यत्

अष्टादशः पाठः

महाकविः कालिदासः

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS803, LS809, LS810

(क) कालिदासस्य जन्मभूमिः कुत्र मन्यन्ते ?

उत्तर - कालिदासस्य जन्मभूमिः उज्जयिन्याम् मन्यन्ते।

(ख) विक्रमादित्यस्य नवरत्नेषु एकः कः अस्ति ?

उत्तर - विक्रमादित्यस्य नवरत्नेषु एकः कालिदासः अस्ति।

(ग) कालिदासस्य द्वे महाकाव्ये के के स्तः ?

उत्तर - कालिदासस्य द्वे महाकाव्ये रघुवंश महाकाव्यं, कुमारसम्भवञ्च अस्ति।

(घ) काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या का अस्ति ?

उत्तर - काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला अस्ति।

(ङ) कालिदासस्य नाटकानि कति सन्ति ?

उत्तर - कालिदासस्य नाटकानि त्रीणि सन्ति।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित संधिविच्छेद पदों का संधि कर नाम लिखिए –
LS805 , LS811

(क) अनेन +एव हेतुना तस्य कृतिषु उज्जयन्यिाः वर्णनं सञ्जातम् ।

(ख) भार्या अपृच्छत् - " अस्ति कः +चित् +वाक् +विशेषः ?

(ग) कुमारसम्भवम् अस्ति +उत्तरस्याम् दिशि देवतात्मा।

(घ) वाक् इति शब्देन-रघुवंश महाकाव्यम्- "वाक् +अर्थौ +इव सम्पृक्तौ।

(ङ) उपमा अलड्ारस्य प्रयोगे सः प्रवीणः +अस्ति।

उत्तर -	सन्धि विच्छेद पद	सन्धिः	नाम
(क)	अनेन +एव	अनेनैव	वृद्धिस्वर सन्धिः
(ख)	कः +चित् +वाक् +विशेषः	कश्चिद्वाग्विशेषः	विसर्ग,व्यञ्जन सन्धिः
(ग)	अस्ति +उत्तरस्याम्	अस्त्युत्तरस्याम् यण	स्वर सन्धिः
(घ)	वाक् +अर्थौ +इव	वागर्थाविव	व्यञ्जन, अयादि स्वर संधिः
(ङ)	प्रवीणः +अस्ति	प्रवीणोऽस्ति	विसर्ग सन्धिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS809, LS810

(क) विक्रमादित्यस्य नवरत्नेषु .... एकः। (भास्कराचार्यः/कालिदासः)

(ख) कालिदासेन सह .... परिणयः जातः। (विद्योत्तमायाः/कलायाः)

(ग) एकदा रात्रौ .... ध्वनिः अभवत्। (अश्वस्य/उष्ट्रस्य)

(घ) कालिदासः खिन्नो भूत्वा .... अराधयत्। (देवीम्/देवताम्)

(ङ) कालिदासे मुख्या .... विरचिताः। (अष्टग्रन्थाः/सप्तग्रन्थाः)

उत्तर - (क) कालिदासः, (ख) विद्योत्तमायाः, (ग) उष्ट्रस्य, (घ) देवीम्, (ङ) सप्तग्रन्थाः

स्तर 4 निम्नलिखित रेखांकित कृदंत पदों के धातु व प्रत्यय पृथक् कीजिए - LS811

(क) विद्वद्भिः विश्वस्य साहित्यकारेषु अस्य गणना <u>कृता</u>।

(ख) <u>उक्तम्</u> च विक्रमादित्यस्य नवरत्नेषु कालिदासः एकः ।

(ग) सा <u>प्रतिज्ञातवती</u> यत् शास्त्रार्थे यः मां पराजेष्यति।

(घ) सहसा कस्यचिद् वृक्षस्य शाखायां <u>स्थित्वा</u> तां शाखां कर्तयन्तम्।

(ङ) तस्मात् वृक्षात् अधः <u>अवतीर्य</u> ते अवदन्।

उत्तर -

	पद	धातु + प्रत्यय
(क)	कृता	कृ + क्त
(ख)	उक्तम्	वच् + क्त
(ग)	प्रतिज्ञातवती	प्रति + ज्ञा + क्तवतु (स्त्रीलिंग)
(घ)	स्थित्वा	स्था + क्त्वा
(ङ)	अवतीय	अव + तृ + ल्यप्

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय पद छाँटकर लिखिए - LS811

(क) अनेन एव हेतुना तस्य कृतिषु उज्जायिन्याः वर्णनं सञ्जातम्।

(ख) ईर्ष्यावशात् ते राज कन्यायाः विवाहं महामूर्खेण सह सम्पादपितुं व्यचारयन्।

(ग) तदा राजकन्या विद्योत्तमा एकाम् अङ्गुलिकाम् दर्शितवती।

(घ) काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला।

उत्तर - (क) एव, (ख) सह, (ग) तदा, (घ) तत्र

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों में विशेषण विशेष्य पृथक कर लिखिए - LS811

(क) <u>बहवः विद्वांस</u> उज्जयिन्यामेव अस्य जन्मभूमिं मन्यन्ते।

(ख) तदा राजकन्या विद्योत्तमा एकाम् अङ्गुलिकाम् उत्थाय दर्शितवती।

(ग) तां दृष्ट्वा महामूर्खः कालिदासः व्यचारयत्।

(घ) तदनुग्रहेण कालिदासः महान् विद्वान अभवत्।

(ङ) अभिज्ञानशाकुन्तलं श्रेष्ठतमा रचना अस्ति।

उत्तर -

	पद	विशेषण	विशेष्य
(क)	बहवः विद्वांस	बहुवः	विद्वांस
(ख)	राजकन्या विद्योत्तमा	राजकन्या	विद्योत्तमा
(ग)	महामूर्खः कालिदासः	महामूर्खः	कालिदासः
(घ)	महान् विद्वान	महान्	विद्वान
(ङ)	श्रेष्ठतमा रचना	श्रेष्ठतमा	रचना

स्तर 7 उचित संबंध जोड़िए - LS803 , LS809, LS811

(अ)	(ब)
मेघदूतम्	कालिदासस्य भार्या
रघुवंशम्	खण्डकाव्यम्
अभिज्ञानशाकुन्तलम्	कालिदासस्य जन्मभूमिः
विद्योतमा	महाकाव्यम्
उज्जयिनी	नाटकम्

उत्तर

(अ)	सही उत्तर
मेघदूतम्	खण्डकाव्यम्
रघुवंशम्	महाकाव्यम्
अभिज्ञानशाकुन्तलम्	नाटकम्
विद्योतमा	कालिदासस्य भार्या
उज्जयिनी	कालिदासस्य जन्मभूमिः

एकोनविंशः पाठः

सूक्तयः

स्तर 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए - LS802 , LS803, LS809

(क) श्रद्धावान् किं लभते ?

उत्तर - श्रद्धावान् ज्ञानं लभते।

(ख) कः कर्मसु कौशलम् ?

उत्तर - योगः कर्मसु कौशलम्।

(ग) लोभः कस्य कारणम् अस्ति ?

उत्तर - लोभः पापस्य कारणम् अस्ति।

(घ) देवताः कुत्र रमन्ते ?

उत्तर - यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः।

(ङ) धर्मेण हीनाः काः ?

उत्तर - धर्मेण हीनाः पशुभिर्समानाः।

स्तर 2 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का सन्धिविच्छेद कर नाम लिखिए –

LS805 , LS811

(क) यत्र <u>नार्यस्तु</u> पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः।

(ख) सत्यमेव जयते <u>नानृतम्</u>।

(ग) धर्मेण हीनाः <u>पशुभिर्समानाः</u>।

उत्तर -	पद	सन्धिविच्छेद	नाम
(क)	नार्यस्तु	नार्यः + तु	विसर्ग सन्धिः
(ख)	नानृतम्	न + अनृतम्	दीर्घस्वर सन्धिः
(ग)	पशुभिर्समानाः	पशुभिः + समाना	विसर्ग सन्धिः

स्तर 3 सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - LS802 , LS803, LS809

(क) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र ....। (देवताः/दानवाः)

(ख) लोभः .... कारणम्। (पुण्यस्य/पापस्य)

(ग) वीरभोग्या ....। (वसुन्धरा/गगनः)

(घ) .... कर्मसु कौशलम्। (भोगः/योगः)

(ङ) श्रद्धावान लभते ....। (दानम्/ज्ञानम्)

उत्तर - (क) देवताः (ख) पापस्य (ग) वसुन्धरा, (घ) योगः, (ङ) ज्ञानम् ।

स्तर 4 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के प्रत्यय पृथक् कीजिए - LS811

(क) <u>श्रद्धावान्</u> लभते ज्ञानम्।

(ख) <u>वीरभोग्या</u> वसुन्धरा।

(ग) <u>दूरतः</u> पर्वताः रम्याः।

(घ) महाजनो येन <u>गतः</u> स पन्था।

(ङ) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते <u>तत्र</u> देवताः।

उत्तर -

	पद	धातु + प्रत्यय
(क)	श्रद्धावान्	श्रद्धा + मतुप्
(ख)	वीरभोग्या	वीरभोग्य + टाप्
(ग)	दूरतः	दूर् + तसिल्
(घ)	गतः	गम् + क्त
(ङ)	तत्र	तद् + त्रल्

स्तर 5 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के विभक्ति वचन लिखिए - LS805

(क) योगः <u>कर्मसु</u> कौशलम्।

(ख) धर्मेण हीनाः <u>पशुभिः</u> समानाः।

(ग) <u>परोपकाराय</u> सतां विभूतयः।

(घ) दूरतः पर्वताः रम्या।

(ङ) लोभः पापस्य कारणम्।

उत्तर -

	पद	विभक्ति	वचन
(क)	कर्मसु	सप्तमी	बहुवचन
(ख)	पशुभिः	तृतीया	बहुवचन
(ग)	परोपकाराय	चतुर्थी	एकवचन
(घ)	पर्वताः	प्रथमा	बहुवचन
(ङ)	पापस्य	षष्ठी	एकवचन

स्तर 6 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के लकार, पुरूष व वचन लिखिए - LS811 , LS813

(क) यत्र नार्यस्तु <u>पूज्यन्ते</u>, रमन्ते तत्र देवताः।

(ख) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, <u>रमन्ते</u> तत्र देवताः।

(ग) सत्यमेव जयते नानृतम्।

(घ) श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्।

उत्तर -

	क्रियापद	धातुः	लकारः	पुरूषः	वचनम्
(क)	पूज्यन्ते	पूज्	लट्लकारः	प्रथमपुरूषः	बहुवचनम्
(ख)	रमन्ते	रम्	लट्लकारः	प्रथमपुरूषः	बहुवचनम्
(ग)	जयते	जय्	लट्लकारः	प्रथमपुरूषः	बहुवचनम्
(घ)	लभते	लभ्	लट्लकारः	प्रथमपुरूषः	एकवचनम्

स्तर 7 उचित संबंध जोड़कर लिखिए - LS802, LS803, LS809

	(अ)	(ब)
(क)	श्रद्धावान् लभते	कारणम्
(ख)	वीरभोग्या	विभूतयः
(ग)	दूरतः पर्वताः	वसुन्धरा
(घ)	लोभः पापस्य	ज्ञानम्
(ङ)	परोपकाराय सतां	रम्याः

उत्तर -

	(अ)	सही उत्तर
(क)	श्रद्धावान् लभते	ज्ञानम्
(ख)	वीरभोग्या	वसुन्धरा
(ग)	दूरतः पर्वताः	रम्याः
(घ)	लोभः पापस्य	कारणम्
(ङ)	परोपकाराय सतां	विभूतयः।

---000---

बढ़ते कदम
आकलन से शैक्षिक गुणवत्ता की ओर...

समरूपता, वैधता, विश्वसनीयता